INS ACCREDITED
यूंनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा–071/2022–24
डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्तः DAVP-: 134220

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष–3 | अंक–117 | मथुरा, रविवार, 22 जून 2025 | पेज–12 | 5 रुपया
www.facebook.com/uniquesamay | twitter.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

पेज–10
ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिका का हमला

पेज–11
टेंट हाउस ने एक कार्यक्रम के लिए दो बार लिया भुगतान

पेज–12
मथुरा की विशेष खबरों के लिए पेज 12 पढ़ें

वृंदावन में कॉरिडोर बनने से जमीन की कीमत आसमान छूने लगी

सपनों से भी महंगी जमीन, पांच लाख रुपये एक गज

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर समेत वृंदावन के आसपास आने वाली योजनाओं से पहले मंदिरों की नगरी में जमीनों की कीमत बढ़ने लगी हैं। यकीन नहीं हो रहा है कि परिक्रमा मार्ग स्थित एक भवन पर लगे फ्लैक्स पर जमीन की लिखी कीमत को लेकर हर किसी का माथा ठनक रहा है। प्लॉट का साइज लिखते हुए कीमत पांच लाख रुपये गज अंकित है। इस कीमत से अंदाजा लगाया जा सकता है कि मंदिरों की नगरी में आने वाले समय के दौरान जमीन की कीमत आसमान

छूने वाली हैं। यह बात अब किसी से छिपी नहीं है कि मंदिरों की नगरी में जमीन के दाम जिस तरह से बढ़ रहे हैं, उसका अनुमान शायद ही किसी ने लगाया होगा। ठाकुर बांके बिहारी मंदिर, लोई बाजार, रमणरेती, परिक्रमा मार्ग, चैतन्य विहार, रुकमणि विहार, मथुरा मार्ग पर जमीन की कीमत आए दिन बढ़ती जा रही हैं। भले ही सर्किल रेट कुछ भी, लेकिन बाजार भाव में जमीनों के रेट उससे कहीं अधिक हैं। इस बीच रमणरेती परिक्रमा मार्ग के एक भवन पर लगे फ्लैक्स को देखकर हर किसी का माथा ठनक रहा है। फ्लैक्स पर साफ–साफ लिखा है कि प्लॉट बिकाऊ है 323 वर्ग गज। एक रेट 500000 रुपये प्रति गज। पूज्य श्री प्रेमानंद जी महाराज के आश्रम के समीप। इस फ्लैक्स को फेसबुक सोशल मीडिया पर भी शेयर किया गया है। लोगों का कहना है कि यदि कोई पांच लाख रुपये प्रति गज जमीन की कीमत मांग रहा है तो उसमें कितना दम है। सोचने वाली बात है कि क्या कॉरिडोर बनने की खबर के बाद वृंदावन में जमीनों की कीमत उछलेंगी। वजह है कि वृंदावन में आने वाली सरकारी योजनाओं पर कई बड़े शहरो के बिल्डर्स और उद्यमियों की नजर है। यही लोग यहां पर आकर जमीनों की सौदेबाजी कर रहे हैं। वैसे ही लोगों में चर्चा है कि बांके बिहारी मंदिर के आसपास किराया भी इतना अधिक है कि सोचने को मजबूर करता है। यहां छोटे से छोटे दुकानदार भी इतना अधिक किराया दे रहे हैं कि सुनने वाला चौंक जाता है।

दो सफाईकर्मियों की मौत से गुस्साए लोगों ने लगाया जाम, किया प्रदर्शन

यूनिक समय, वृंदावन। केशव धाम के पास बुर्जा चौराहा कल सायं सीवर लाइन के टैंकर में जहरीली गैस से दम घुटने पर मरे दो सफाई कर्मियों के परिजनों ने आज सायं को ठेकेदार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जाम लगाया। जाम के कारण वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलते ही इलाका पुलिस पहुंच गई। गौरतलब है कि टैंकर से निकली जहरीली गैस के कारण दो सफाई कर्मी छोटे लाल एवं नरेंद्र की दम घुटने के कारण मौत हो गई थी। दोनों के अस्पताल पहुंचने में

दो सफाईकर्मियों की मौत से गुस्साए लोग जाम लगाते हुए।

काफी देरी हो गई थी। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। पोस्टमार्टम के बाद दो युवकों के शवों को लेकर परिजनों ने मथुरा–

वृंदावन पुलिस ने लोगों को समझाया बुझाया

वृंदावन मार्ग पर जाम लगा दिया। जाम में काफी वाहन फंस गए। लंबी कतार लगने की सूचना पर कोतवाली पुलिस पहुंच गई।

गुस्साए लोगों को समझाबुझाकर शांत किया। जाम के कारण मंदिरों को जाने वाले श्रद्धालु भी फंस गए। मथुरा रेलवे स्टेशन जाने वाले यात्रियों की टेंशन बढ़ गई। उनको ट्रेन छूटने की आशंका सताने लगी।

विरोध — मथुरा–वृंदावन रेल लाइन बहाली की मांग

वृंदावन रेल बचाओ मोर्चा ने निकाला मार्च

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन रेल बचाओ मोर्चा ने गेज से ब्रॉड गेज में परिवर्तित करने की योजना को बंद किए जाने के विरोध में मार्च निकाला। लोगों ने प्रदर्शन कर सांसद हेमा मालिनी के खिलाफ नारेबाजी की। गुस्साए लोगों का कहना था कि मथुरा–वृंदावन के बीच करीब डेढ़ सौ वर्ष पुरानी रेल लाइन थी, जिसे कुछ लोगों के बहकावे में आकर केंद्र की सरकार ने रद्द करवा दिया। समाजसेवी सुधीर शुक्ला, मधु मंगल शुक्ला, संजीव बाबा एवं अभय वशिष्ठ की अगुवाई में लोगों का रंगनाथ मंदिर के सिंह द्वार के बाहर पहुंचना शुरू हो गया। फिर उन्होंने चुंगी चौराहा तक पैदल मार्च किया। हाथों में बैनर और तख्ती लिए वह मथुरा–वृंदावन रेल लाइन बहाली की

वृंदावन रेल लाइन बहाली की मांग को लेकर मार्च की अगुवाई करते मधु मंगल शुक्ला।

मांग करने लगे। आरोप लगाया कि मथुरा–वृंदावन रेल लाइन ऐतिहासिक रेल लाइन थी, जिसे खत्म कर यहां की एक और पहचान मिटाई गई। प्रदर्शन में शामिल विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों का कहना था कि वृंदावन के साथ छलावा किया जा रहा है। गौरतलब है कि मथुरा–वृंदावन रेल लाइन को मीटर गेज से बदलकर ब्रॉड गेज में कर यहां से प्रमुख स्टेशनों के लिए रेल मंत्रालय ने ट्रेन चलाने की योजना बनाकर प्रोजेक्ट को हरी झंडी दी। लेकिन इस प्रोजेक्ट का लगभग 50 प्रतिशत काम होने के बाद कुछ लोग विरोध में आए और प्रदर्शन किया। इसके बाद यह योजना ठंडे बस्ते में चली गई। फिर 15 दिन पहले इसे बंद कर दिया गया। लोगों का कहना है कि राजा माधो सिंह ने राधा माधव जयपुर मंदिर बनवाने के लिए मथुरा–वृंदावन के बीच रेल लाइन डाली थी। इस पर चलने वाली ट्रेन के जरिए मंदिर के लिए पत्थर लाए गए। बाद में इस पर यात्री ट्रेन चलने लगी। वृंदावन रेलवे स्टेशन पर रिजर्वेशन काउंटर भी शुरू किया गया जो लाभ का सौदा था। 2023 तक यहां एक रेल बस चली लेकिन जब ट्रैक परिवर्तन की बात आई तो इसे बंद कर दिया गया और काम शुरू हो गया।

यमुना एक्सप्रेस वे पर हुआ हादसा

यमुना एक्सप्रेस वे पर तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराई

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। यमुना एक्सप्रेस वे पर नोएडा से आ रही एक तेज रफ्तार वैगनार कार डिवाइडर से टकरा कर पलट गई। कार में सवार चार पुलिसकर्मी बुरी तरह से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल लाकर भर्ती करा दिया। दुर्घटना के कारण एक्सप्रेस वे पर जाम लग गया था। एक्सप्रेस वे अथॉरिटी और पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को हटवा कर जाम खुलवा दिया। बताया गया कि मुजफ्फर नगर के थाना बुढ़हाना में तैनात राहुल, सुरेंद्र व सत्यपाल निवासी आगरा और गौरव निवासी मथुरा छुट्टी लेकर वैगनार कार से नोएडा से आ रहे थे। यमुना एक्सप्रेस वे के माइल स्टोन संख्या 74 पर तेज रफ्तार से दौड़ती कार डिवाइडर से तेज आवाज के साथ टकरा गई। डिवाइडर से टकराने के बाद कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर पलट गई। कार के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण एक्सप्रेस

कार में फंसे चार पुलिसकर्मियों को निकाल अस्पताल पहुंचाया

चारों पुलिसकर्मी गाजियाबाद से छुट्टी लेकर घर आ रहे थे

घायलों में तीन आगरा और एक मथुरा का पुलिसकर्मी

वे पर जाम लग गया। दुर्घटना का पता लगने पर यमुना एक्सप्रेस वे अथॉरिटी की टीम और पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस और एक्सप्रेस वे अथॉरिटी ने दुर्घटनाग्रस्त कार में फंसे घायलों को किसी तरह बाहर निकाला। इसके बाद घायलों को एंबुलेंस से मथुरा लाकर जिला अस्पताल में भर्ती कराया। घायल पुलिसकर्मियों के परिवारीजनों को भी सूचना दी गई।

निरीक्षणः मुड़िया पूर्णिमा मेला की तैयारियों को लेकर डीएम गंभीर

गोवर्धन में मुड़िया पूर्णिमा मेले की व्यवस्थाओं का जायजा लेते डीएम चंद्र प्रकाश सिंह व एसएसपी श्लोक कुमार।

यूनिक समय, मथुरा। आगामी जुलाई में आयोजित मुड़िया पूर्णिमा मेला की व्यवस्थाओं का जायजा लेने मथुरा के जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने अपने अधीनस्थ अधिकारियों के साथ परिक्रमा मार्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के तमाम विभागीय प्रमुखों के साथ बैठक कर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा भी की। इस दौरान जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग को गड्ढामुक्त सड़कों एवं परिक्रमा मार्ग पर मिट्टी बिछाने के निर्देश दिए। वॉचटावर, पार्किंग, रैंप, पुलिस चौकियों, बैरिकेडिंग तथा सार्वजनिक स्थलों पर सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए भी स्पष्ट दिशा–निर्देश जारी किए गए। उन्होंने खासकर मानसी गंगा, कुसुम सरोवर, कृष्ण कुण्ड व राधा कुण्ड के चारों ओर बैरिकेडिंग पर विशेष जोर दिया। एमवीडीए सचिव को परिक्रमा मार्ग की स्ट्रीट–लाइट चालू कराने का निर्देश दिया गया, जिससे हर समय पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था बनी रहे। स्वास्थ्य विभाग को गोवर्धन सीएचसी में पर्याप्त जनशक्ति, एम्बुलेंस व बाइक–एंबुलेंस के साथ स्वास्थ्य शिविर लगाने तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को खराब आहार की रोकथाम सुनिश्चित करने को कहा गया। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं ट्रैफिक अधिकारियों को पार्किंग क्षेत्रों का चयन और परिसंचारी मार्गों पर यातायात नियंत्रण को सुचारु रूप से लागू करने के भी निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को समयबद्धता से सभी योजनाएं पूर्ण करने, श्रद्धालुओं को सुविधाजनक अनुभव देने तथा मेले के दौरान व्यवस्थाओं को 'चाकचौबंद' बनाकर रखने के निर्देश दोहराए ताकि आस्था और समृद्धि का महोत्सव सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

बरसाना में जिला पंचायत के खंडहर अस्पताल का होगा कायाकल्प

बनेगा कम्युनिटी सेंटर, पड़ाव स्थल तथा डिस्पेंसरी

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। राधाजी की नगरी में अंग्रेजों के जमाने का जिला पंचायत का अस्पताल आज जर्जर हालत में है। इसका कायाकल्प कर कम्युनिटी सेंटर, भोजनालय, अतिथि ग्रह व डिस्पेंसरी बनाया जाएगा। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के सीईओ श्याम बहादुर सिंह ने परिषद के डीएफओ व आर्किटेक्ट को प्रस्ताव करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि प्रस्ताव तैयार होने के बाद इसको शासन की स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा।

ब्रज तीर्थ विकास परिषद प्रस्ताव तैयार करने में जुटी

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के आर्किटेक्ट राधिका बजाज ने डीएफओ मुकेश शर्मा और जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी विनोद कुमार ढाका के साथ बरसाना के जर्जर अस्पताल का स्थलीय निरीक्षण किया। अपर मुख्य अधिकारी ने बताया कि जिला पंचायत की सहमति से उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद बरसाना के अस्पताल की भूमि का सदुपयोग करेगी। परिषद की आर्किटेक्ट राधिका बजाज ने बताया कि यह जगह अच्छे लोकेशन पर है। इसकी ईंटों का प्रयोग किया जाएगा। ये ईंट काफी मजबूत है। इसको पुरानी शैली में बनाया जाएगा। यहां पर कम्युनिटी सेंटर, यहां आने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए पड़ाव स्थल, अतिथि गृह, भोजनालय बनाया जाएगा।

इसके बनने से यहां आने वाले यात्रियों को ही नहीं यहां के निवासियों को इसका लाभ मिलेगा। परिषद के डीएफओ मुकेश कुमार शर्मा ने बताया कि भूमि के पास थाना, सरकारी अस्पताल, गहवरवन, राधारानी मंदिर, बाजार आदि स्थित हैं।

रक्षा मंत्री ने सुरती सरोवर रस ग्रंथ का किया विमोचन

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सुरती सरोवर रस ग्रंथ का विमोचन करते हुए। साथ में धर्म रक्षा संघ के कार्यकारी अध्यक्ष महंत मोहिनी शरण महाराज के साथ अन्य।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। धर्म रक्षा संघ के कार्यकारी अध्यक्ष एवं श्रीहरिदास पीठ चतुर्थ संप्रदाय विरक्त वैष्णव परिषद् के महंत मोहिनी बिहारी शरण महाराज की अगुवाई में प्रतिनिधिमंडल की रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से आत्मीय भेंट हुई। महंत मोहिनी बिहारी शरण महाराज ने रक्षा मंत्री से सुरती सरोवर रस ग्रंथ का विमोचन कराया। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बांके बिहारी मंदिर के सरकारीकरण एवं अधिग्रहण की योजना का विरोध करते हुए ब्रज की समस्याओं को लेकर चर्चा की। महंत मोहिनी बिहारी शरण महाराज ने कहा कि बांके बिहारी मंदिर का किसी भी प्रकार से सरकारीकरण या अधिग्रहण नहीं होना चाहिए। रक्षा मंत्री ने आश्वासन दिया है कि बांके बिहारी मंदिर के विषय में वह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से वार्तालाप कर संत समाज एवं बृजवासियों की चिंताओं से अवगत कराएंगे। प्रतिनिधिमंडल में योगी यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर अजय तोमर, प्रदेश संयोजक विक्की धाकड़, महानगर अध्यक्ष जितेंद्र धाकड़, शहीद विंग कमांडर पृथ्वी सिंह चौहान के छोटे भाई युवराज सिंह चौहान आदि मौजूद थे।

महंत मोहिनी शरण महाराज ने बांके बिहारी मंदिर को लेकर चर्चा की

बच्चों ने किया योग नृत्य का प्रदर्शन

योग दिवस पर प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

यूनिक समय, वृंदावन। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस एवं विश्व संगीत दिवस पर वृन्दावन शोध संस्थान की ओर से श्रीसत्यादेवी गर्ग सरस्वती विद्या मंदिर, कैलाश नगर में योग नृत्य का आयोजन किया। अतिथि चन्द्रप्रकाश द्विवेदी ने कहा कि योग, नृत्य एवं संगीत का समन्वय अदभुत है। यही समन्वय जीवन में भी होना चाहिए। अध्यक्षता करते हुए डॉ. राकेश सारस्वत ने कहा कि योगासन करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य उत्तम रहता है। मंचासीन रामसेवक ने बताया कि विश्व में भारत की पहचान योग से हो रही है। विशिष्ट अतिथि सुन्दर सिंह ने बताया कि नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से परिचित कराया जाना आवश्यक है। इस मौके पर रणवीर सिंह शर्मा, प्रधानाचार्य नरेन्द्र सिंह ने विचार व्यक्त किए। योग नृत्य कार्यक्रम गुरु ज्ञान प्रकाश एवं गुरु राधावल्लभ के निर्देशन में प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत डॉ. करूणेश उपाध्याय ने किया। संस्थान के प्रशासनाधिकारी रजत शुक्ला ने आभार जताया। संचालन ब्रज संस्कृति संग्रहालय की क्यूरेटर श्रीमती ममता कुमारी एवं सहयोग अर्चना त्रिपाठी ने किया।

मथुरा नॉर्थ सेंट्रल रेलवे मैंस यूनियन शाखा बाद का चुनाव

डीबी सिंह अध्यक्ष व रमेश धनगर मंत्री चुने गए

नॉर्थ सेंट्रल रेलवे मैंस यूनियन के त्रिवार्षिक चुनाव में विजयी अध्यक्ष डीबा सिंह एवं मंत्री रमेश धनगर।

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा नॉर्थ सेंट्रल रेलवे मैंस यूनियन (एनसीआरएमयू) शाखा बाद मथुरा के हुए त्रिवार्षिक चुनाव में डीबी सिंह को अध्यक्ष, रमेश धनगर को पुनः मंत्री चुना गया। अध्यक्ष और मंत्री के चुनाव के लिए मतदान करने के लिए बड़ी संख्या में कामरेडों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चुनाव में अन्य पदों के लिए एनजे भटनागर कार्यकारी अध्यक्ष, रामरुप मीणा, मुकेश सिंह, नंद किशोर सभी उपाध्यक्ष, मनोज बेरवा, हरी शंकर, यतेंद्र अग्रवाल सभी सहायक सचिव व योगेश कुमार को कोषाध्यक्ष चुना गया। मंडल अध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी।

विद्या भारती के स्कूलों में 1,54,253 विद्यार्थी ले रहे शिक्षा

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। माधव कुंज स्थित विद्या भारती माधव संवाद केन्द्र पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए शैक्षिक प्रमुख प्रो. डॉ. राकेश सारस्वत ने कहा कि इस समय ब्रज प्रदेश में 12 सरकारी जिलों में प्राथमिक से इण्टरमीडिएट तक 373 विद्यालय संचालित है। इनमें 1,54,253 छात्र–छात्राएं शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शैक्षिक सत्र 2024-25 में हाईस्कूल का 99.69% और इण्टरमीडिएट का 97.89% परीक्षा परिणाम रहा। 15 छात्र–छात्राओं को सरकार ने 21–21 हजार रुपए देकर सम्मानित किया। विद्या भारती के स्कूलों में डिजिटल क्लासरूम बनाए जा रहे हैं। श्रीजी बाबा सरस्वती विद्या मंदिर के छात्र तरुण अग्रवाल ने सी. बी. एस. ई. बोर्ड परीक्षा में 99.6% के साथ पूरे भारत में द्वितीय रैंक प्राप्त कर सभी का गौरव बढ़ाया। इसी विद्यालय के पूर्व छात्र सत्यम चतुर्वेदी ने यूपीएसई की परीक्षा में 205 वीं रैंक प्राप्त की। जयनारायण सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के पूर्व छात्र अक्षित पाराशरी ने भारतीय इंजीनियरिंग सेवा परीक्षा में 10 वां स्थान प्राप्त किया। चन्द्र प्रकाश द्विवेदी ने सरस्वती शिशु मंदिरों और विद्या मंदिरों द्वारा किए जा रहे सामाजिक सेवा के कार्यों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्रान्त प्रचार प्रमुख धर्मेन्द्र कुमार शर्मा, प्रान्त संवाददाता डॉ. राम सेवक, प्रान्त सह संवाददाता उमेश चन्द्र शर्मा, सोशल मीडिया एडमिन कुमार प्रखर एवं मुकेश चन्द्र वर्मा आदि उपस्थित थे।

माधव कुंज पर पत्रकार वार्ता में भाग लेते विद्या भारती ब्रज प्रदेश के पदाधिकारी।

हाईस्कूल व इंटर के 15 मेधावी छात्रों को यूपी सरकार ने किया पुरस्कृत

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का पोर्टल बंद...

यूनिक समय, मथुरा। जीरो पॉवर्टी लाइन के चयनित परिवारों के लिए केन्द्र व राज्य की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए सभी विभागों के अधिकारी जिलाधिकारी एवं सीडीओ के निर्देशन में जुटे हुए हैं। लेकिन प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना का पोर्टल अभी खुला नहीं होने से अभ्यर्थियों का रजिस्ट्रेशन नहीं हो पा रहे हैं। जिले में प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के लिए लाभार्थियों का चयन सर्वे टीम, ब्लॉक स्तर, और स्वयं लाभार्थियों से कराया गया। जिसमें लगभग 13 हजार लोगों के नाम सामने आए। ये लोग अब प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत आवास बनाने के लिए आवेदन करना चाहते हैं लेकिन योजना का पोर्टल सरकार से अभी नहीं खुला है। जिससे पात्रों को दर–दर की ठोकरें खानी पड़ रहीं हैं। जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे ने भी स्वीकार किया कि अभी प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना का पोर्टल नहीं खुला है। उसके बाद भी इसके 176 पात्रों का रजिस्ट्रेशन मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत करा दिए गए हैं। मुख्यमंत्री आवास योजना का पोर्टल अभी खुला है। अतः लाभार्थी इस योजना का लाभ लेने के लिए अपना रजिस्ट्रेशन करा लें। जब प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का पोर्टल खुल जाएगा तब शेष बचे हुए लोगों का रजिस्ट्रेशन कराया जाएगा। कोई भी पात्र व्यक्ति परेशान नहीं हो।

चयनित लाभार्थियों के नहीं हो पा रहे हैं रजिस्ट्रेशन

एडीएम की अगुवाई में टीम अड़ींग पहुंची

39 करोड़ रुपये की परफॉर्मेंस ग्रांट के कार्यों की जांच शुरू की

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। गांव पंचायत अड़ींग को शासन से मिले 39 करोड़ रुपये की परफॉर्मेंस ग्रांट में अनियमितताओं की जांच को एडीएम न्यायिक सुरेन्द्र कुमार यादव, जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे और वरिष्ठ कोषाधिकारी मुन्ना लाल शुक्ला की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। तीनों अधिकारियों की ने गांव अड़ींग के लोगों के बयान दर्ज किए और अभिलेख देखे। जांच के बाद जिला विकास अधिकारी ने बताया कि जांच में शामिल सभी बिंदुओं के कार्यों को मौके पर पहुंचकर देखा गया। काम हुआ है कि नहीं। ग्राम पंचायत सचिव रामवीर सिंह ने समिति के अधिकारियों को कार्यों के सभी खर्चों के अभिलेख दिखाए। श्रीमती खरे ने बताया कि समिति अपनी रिपोर्ट लोकायुक्त और जिलाधिकारी को सौंपेगी। टीम ने ग्रामीणों से पूछताछ भी की। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता अजीत कुमार सैनी को फोन करने पर वह उपस्थित नहीं हुए। उनका पक्ष अधिकारियों को पता नहीं चल सका। टीम एक जुलाई तक हर हाल में लोकायुक्त के कार्यालय में गांव निवासी अजित सैनी की शिकायत का बिंदुवार जांच आख्या उपलब्ध करा देगी। एक

लोगों के बयान दर्ज किए, कार्यों को मौके पर देखा, अभिलेख चेक किए

जांच के दौरान शिकायतकर्ता उपस्थित नहीं हुआ

शिकायतकर्ता ने कहा कि पहले से नहीं दी सूचना, वह गांव से बाहर था

बार वे पुनः शिकायत कर्ता का पक्ष जानने की कोशिश करेंगे। दूसरी ओर शिकायतकर्ता अजीत कुमार सैनी ने बताया कि उसको बगैर पूर्व सूचना के जांच समिति के अधिकारी गांव पहुंच गए। उनको फोन दोपहर 1.26 बजे किया गया। उस समय वह गांव से बाहर था। उसने अधिकारियों पर आरोप लगाया कि जब वे दोपहर को जांच करने के लिए पहुंचे तो शाम तक कैसे जांच पूरी हो गई। यदि अधिकारी विस्तृत जांच करते हैं तो जांच में कम से कम दो दिन लग सकते थे। दूसरी ओर पूर्व ग्राम प्रधान मुनीष स्वरूप की शिकायतों के बिन्दुओं की जांच नहीं हुई। उनको भी जांच के लिए नहीं बुलाया गया।

पुलिस ने कार से 220 लीटर पेट्रोलियम पदार्थ जब्त किया

कार से बरामद पेट्रोलियम पदार्थों के साथ पुलिस अभिरक्षा में खड़ा अभियुक्त।

यूनिक समय, मथुरा। रिफाइनरी पुलिस ने कार में 220 लीटर पेट्रोलियम पदार्थ ले जाते एक युवक को पकड़ लिया। बाद में पूर्ति निरीक्षक की रिपोर्ट पर पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना अध्यक्ष रिफाइनरी अजय वर्मा ने बताया कि रिफाइनरी पुलिस बरारी बैरियर के समीप चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने एक सूचना के आधार पर बेरी की ओर जाने वाली एक कार को रोक लिया। रिनाल्ट कार को चेक किया तो उसमें 220 लीटर पेट्रोलियम पदार्थ रखा हुआ मिला। पुलिस ने कार चला रहे युवक रवि निवासी बेरी से पेट्रोलियम पदार्थ के

पूर्ति निरीक्षक ने कराई ईसी एक्ट में रिपोर्ट दर्ज

बारे में जानकारी की। इस पर पुलिस उसे थाने ले गई। इसके बाद पुलिस ने पूर्ति निरीक्षक संतोष कुमार वर्मा फरह तहसील मथुरा को सूचना देकर बुला लिया। पूर्ति निरीक्षक ने थाने आकर सारे प्रकरण की जानकारी की। इसके बाद पूर्ति निरीक्षक ने जिलाधिकारी को इस बारे में सूचना दी। डीएम से अनुमति लेने के बाद पूर्ति निरीक्षक ने इस मामले में ईसी एक्ट की धारा 3/7 के तहत अभियुक्त रवि के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

गोवर्धन पुलिस ने गिरफ्तार किए दो साइबर ठग

गोवर्धन पुलिस की गिरफ्त में खड़े दो साइबर ठग।

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन पुलिस ने साइबर ठगी करने वाले दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से छह फर्जी सिम कार्ड, दो मोबाइल और आधार कार्ड बरामद किए हैं। पुलिस ने फत्तेवाले स्कूल गांव दौलतपुर के समीप से साइबर ठगी करने वाले दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में दिलशाद निवासी गांव दौलतपुर व शाहिद निवासी गांव जंगली भाग हाथिया थाना बरसाना है। पुलिस का कहना है कि दोनों शातिर साइबर ठगी करने वाले हैं। उन्होंने बताया कि फर्जी सिम कार्ड से अपने साथियों के साथ खेत आदि में बैठकर फ्रेंड सर्च एप से मोबइल की एक सीरीज के नंबर निकाल कर अपने कॉटेक्ट लिस्ट में सेव

छह फर्जी सिमकार्ड, मोबाइल तथा आधार कार्ड बरामद

करने के बाद इन नंबरों को गूगल पेय पर सर्च कर लोगों के नाम पते आदि की जानकारी करने के बाद उनके नंबर से कभी उनके रिश्तेदार व पिता का दोस्त बनकर कॉल करके भोले भाले लोगों से ठगी करते हैं। कभी उनके खाते में अधिक रकम डालकर वापस करने के नाम पर ठगी करते हैं। यही नहीं इन नंबरों से फर्जी मैसेज डालकर भी लोगों के साथ धोखाधड़ी करते हैं। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक रवि त्यागी, उप निरीक्षक अमन उज्जवल शामिल थे।

सकरवा में दो पक्षों के बीच मारपीट

यूनिक समय, गोवर्धन। थाना गोवर्धन के गांव सकरवा में महिला के साथ अभद्रता करने को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों में हुई मारपीट में चार लोग घायल हो गए। घायलों को पुलिस ने मेडिकल के लिए समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया। गांव सकरवा निवासी एक पक्ष के राजेंद्र सिंह ने बताया उनके परिवार की महिला को गोबर डालने के दौरान उसके साथ अभद्रता और मारपीट की। इसका विरोध करने पर दूसरे पक्ष के लोगों ने मारपीट की। वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि उनके साथ राजेंद्र सिंह के पक्ष के लोगों ने मारपीट की। पुलिस मारपीट मे

चार लोग हुए घायल, पुलिस ने अस्पताल भेजा

दोनों पक्षों ने लगाया एक दूसरे पर मारपीट का आरोप

घायल हुए लोगों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक रवि त्यागी का कहना है कि गांव में दोनों पक्षों में झगड़ा हुआ है। दोनों पक्षों ने अपने साथ मारपीट किए जाने की तहरीर दी है कार्रवाई की जा रही है।

गौ-सेवक ने आश्रम में लगाई फांसी

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन के रमणरेती स्थित श्यामा मां आश्रम के एक कर्मचारी ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। कुछ माह पहले ही वह काम पर लगा था। सागर (मध्य प्रदेश) के निवासी अखिलेश यादव करीब तीन महीने पहले आश्रम में गौ सेवा के काम की नौकरी पर लगा था। बताया गया कि बीती रात काम करने के बाद खाना खाने के बाद किसी समय उसने अपने कमरे में फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली है। अखिलेश यादव द्वारा आत्महत्या करने का पता

तीन माह पहले गौ सेवा के लिए नौकरी पर रखा गया था

लगने आश्रम के कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। वृंदावन पुलिस को भी सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतक के परिवारीजनों को भी सूचना दे दी। परिवार के लोग भी मोर्चरी पर पहुंच गए।

बिजली संकट ने लोगों का दिन का चैन और रात की नींद छीनी

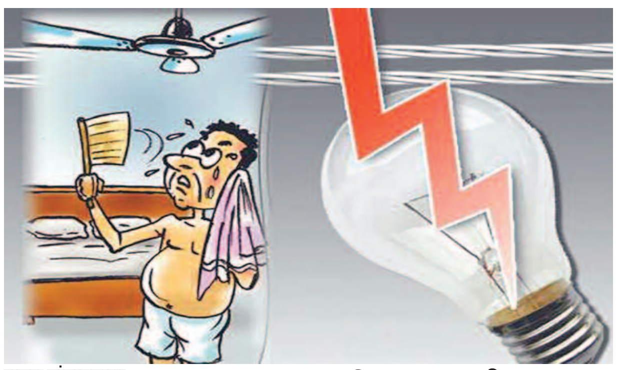

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जून माह चल रहा है। इस माह में तेज धूप की तपन व भीषण गर्मी से लोगों का हाल बेहाल होता जा रहा है। फिर बिजली ने भी अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। इधर बिजली की लगातार कटौती से जनजीवन अस्त-व्यस्त होता जा रहा है। ग्रामीण अंचल से लेकर शहरी क्षेत्रों तक लोग गर्मी से परेशान हैं। लोगों के इनवर्टर भी सीटी मारने को मजबूर हो रहे है।

बिजली की इस आंख मिचौनी से पंखे और कूलर भी बंद होने लगे हैं। हालात ऐसे हो गए हैं कि कई मोहल्लों और कस्बों में दिनभर में कई-कई घंटों तक बिजली गुल रहती है। रात में भी कई-कई घंटे तक बिजली न आने से लोगों की नींद हराम हो रही है। विद्युत विभाग के जिम्मेदारों से जब लोग संपर्क करते हैं तो उनके फोन या तो बंद रहते हैं या फिर कोई फोन उठाने में शर्माते हैं। बिजली संकट को लेकर स्थानीय

अधिकतर ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की आंख मिचौनी से जनता परेशान

नागरिकों में भारी आक्रोश पनप रहा है। विद्युत अधिकारियों की मानें ट्रांसफार्मरों पर अत्यधिक लोड, पुराने तारों की जर्जर स्थिति और मेंटेनेंस की कमी के कारण बताए जा रहे हैं। इसके अलावा और जनपद में बिजली की मांग बढ़ने से आपूर्ति में कटौती की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिजली की आंख-मिचौनी आम बात हो गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में तो स्थिति और भी विकट है। वहां बिजली कभी-कभी दिनभर में मात्र 4 से 5 घंटे ही आती है।

जनपद के कई क्षेत्रों में कई दिनों से नागरिक बिजली घरों के सामने या रोड जाम कर प्रदर्शन कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बिजली कर्मचारियों पर आरोप लगाते हुए कहा कि हर साल गर्मी में यही हाल होता है, लेकिन इस बार तो हद ही पार कर दी है। न कोई सुनने वाला है, न समाधान देने वाला। हर आम आदमी परेशान है।

बिजली दरों में संभावित वृद्धि से लगेगा महंगाई का झटका

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बिजली की दरों में वृद्धि की खबर से जनपद में लोगों के बीच आक्रोश की लहर दिखाई दे रहीं है, लोगों का कहना है कि पहले ही भीषण गर्मी और बार-बार हो रही बिजली कटौती से वह परेशान हैं, जब उन्हें निर्धारित समय पर पर्याप्त बिजली ही नहीं मिल रही है, तो फिर दरों में वृद्धि क्यों बढ़ा रहीं है सरकार। बलदेव निवासी शैलेश कुमार ने कहा कि जब पूरे दिन में केवल 10 घंटे ही बिजली मिल रही है, तो सरकार को सबसे पहले सप्लाई ठीक करनी चाहिए। बिजली देने की क्षमता नहीं है और सरकार ऊपर से दरें बढ़ाकर बोझ डाल रही है। राया निवासी नरेश ने कहा कि पहले से ही बिजली इतनी महंगी है अब तो कोई सवाल ही नही उठता है कि सरकार बिजली की दरें अपनी मर्जी से बढ़ा सकें।

रामपुर निवासी बृजेश कुमार ने कहा कि समय से बिजली तो आती नहीं है लेकिन बिजली दरें सरकार कैसे बढ़ा सकती है ये तो सरेआम जनता के साथ अन्याय हो रहा है। किसान मोहन सिंह

लोग बोले... जब बिजली ही नहीं मिल रही तो बढ़ोत्तरी क्यों?

का कहना है कि पहले से ही हर चीज पर महंगाई की मार है अब बिजली की दरों में बढ़ोत्तरी की चर्चाएं हो रही है अब इतनी महंगाई में परिवार का पालन पोषण कैसे होगा। मण्डी निवासी राहुल सिंह का कहना है कि ऐसे हालातों मे बिजली की दरों में बढ़ोत्तरी होती है तो इससे क्या फायदे है इससे तो अच्छा सोलर सिस्टम लगवाना चाहिए।

लक्ष्मीनगर निवासी मोहन सिहं का कहना है बिजली का बिल तो समय से आता है। चाहे बिजली आए या न आए। बिजली दरों में यदि बढ़ोत्तरी होती है तो इससे कोई फायदा नहीं है बिजली समय से नहीं आएगी।

सोनई निवासी शिवराम ने कहा कि अब सरकार किस आधार पर दरें बढ़ा रही है। यह जनता को लूटने का तरीका है। गोवर्धन निवासी अजय शर्मा ने कहा, जनता पहले ही महंगाई से त्रस्त है। अब अगर बिजली दरें भी बढ़ीं, तो यह एक और बोझ होगा।

किसानों को मुआवजा न दिए जाने पर रेलवे के खिलाफ धरना जारी

रेलवे द्वारा किसानो की जमीन का मुआवजा न दिए जाने को लेकर धरना प्रदर्शन करते किसान और भाकियू के पदाधिकारी।

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। रेलवे द्वारा किसानों की जमीन लेकर उन्हें बिना मुआवजा दिए रेलवे लाइन बिछाने का काम शुरू कर दिया गया है। इसे लेकर कोटा के किसानों ने मुआवजे की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। धरना आज पांचवे दिन भी जारी है। धरने का आज पांचवा दिन है। किसानों के धरने का भारतीय किसान यूनियन (सुनील) ने भी समर्थन किया। किसान यूनियन के नेताओं का कहना है कि किसानों के धरने को पांच दिन हो रहे हैं। अभी तक कोई भी अधिकारी धरना स्थल पर किसानों से बात करने के लिए नहीं आया है। किसानों के धरने को अधिकारी हलके में न लें। इसके लिए बड़ा अंदोलन चलाया

पांचवें दिन भी किसानों से बात करने नहीं पहुंचे अधिकारी

भाकियू सुनील ने किसानों के पक्ष में दी आंदोलन की चेतावनी

जाएगा। भाकियू सुनील के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन चतुर्वेदी, युवा उत्तर प्रदेश अध्यक्ष बिट्टू पंडित, महा नगर अध्यक्ष अग्रवाल एवं वरिष्ठ नेता प्रयाग राज चतुर्वेदी आदि ने किसानों की मांगों का समर्थन किया। धरना पर ख्याली राम (कोटा) मोहन श्याम, नरोत्तम, घीरज तथा मानिकचंद आदि बैठे हैं।

दसवीं आशेश्वर महादेव पदयात्रा 28 जुलाई को

यूनिक समय, कोसीकलां। पड़च यज्ञ प्रचारिणी सभा की ओर से आयोजित साप्ताहिक यज्ञ अंतर्गत श्रावण माह में निकलने वाली श्री आशेश्वर पदयात्रा की रूपरेखा तय की गई। शिव मंदिर प्रांगण में आचार्य विवेक उपाध्याय के ब्रह्मत्व में हवन यज्ञ किया गया। उन्होंने बताया कि यज्ञ संस्कार का सर्वोत्तम कर्म है। पदयात्रा समिति के संयोजक विष्णुदत्त शर्मा ने बताया कि बीते दस वर्षों से पदयात्रा निरंतर जारी है। इस बार पदयात्रा के 10 वर्ष पूर्ण होने पर ऐतिहासिक पदयात्रा निकाली जाएगी। राज राजेश्वरी मां भगवती मंदिर से सावन के तीसरे सोमवार 28 जुलाई को सुबह 6 बजकर 04 मिनट पर निकलेगी। इसमें पहली बार हर की पौड़ी हरिद्वार के गंगा जल से 251 पात्रों के द्वारा आशेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया जाएगा। हवन यज्ञ के पश्चात् अहमदाबाद एवं केदारनाथ में विमान हादसों में मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर भाजपा जिला कोषाध्यक्ष कन्हैयालाल गोयल, यज्ञ प्रबंधक कन्हैयालाल मंगला, महामंत्री राजपाल शर्मा, मीडिया प्रभारी भारत शर्मा, चेतराम शर्मा, मुकुट शर्मा, हरिओम वैष्णव, पवन यादव, राजकुमार शर्मा तथा गुलाब सिंह आदि उपस्थित थे।

अवैध गांजे के साथ एक गिरफ्तार

यूनिक समय, कोसीकलां। पुलिस ने एक अभियुक्त को 372 ग्राम अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार निर्वाल ने बताया कि रविवार की सुबह कस्बा चौकी इंचार्ज दुष्यंत कौशिक गश्त पर थे कि थाना रोड पर अनाज मंडी गेट से 20 कदम अंदर मंडी में एक अभियुक्त को संदिग्ध हालत में खड़ा दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोका टोका तो वह तेजी से चलने लगा। संदेह होने पर पुलिस ने घेराबंदी करते हुए उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से 372 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया।

आरोपी ने पूछताछ में अपना नाम धर्मवीर पुत्र सोनीराम, निवासी नंदगांव रोड पुल के पास, कोसीकलां बताया।

चाकू के साथ युवक गिरफ्तार

यूनिक समय, कोसीकलां। पुलिस ने रविवार की सुबह गश्त के दौरान आगरा कैनाल की हताना की तरफ जाने वाली पटरी पर एक युवक को गिरफ्तार किया गया। जिसके कब्जे से पुलिस ने एक चाकू बरामद किया। गिरफ्तार युवक का नाम मोनू पुत्र अशोक, निवासी कृष्णा बिहार, नत्थी कॉलोनी, थाना कोसीकलां बताया गया।

योग करके बीमारी दूर कर रहे लोग

गोपाल वाटिका में योग करते लोग।

यूनिक समय, वृंदावन। वृन्दावन सेवा संस्थान ने सुवटी देवी स्कूल के निकट गोपाल वाटिका में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग शिविर लगाया। योगाचार्य बांके बिहारी शर्मा, डॉ प्रमोद सिंह ने सभी को योग कराया। वृन्दावन सेवा संस्थान के अध्यक्ष लक्ष्मण सर्राफ ने कहा कि यूनाइटेड नेशन ने योग के फायदों को देखते हुए 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने पर सहमति दी। आज पूरे विश्व का जनमानस योग के जरिए स्वस्थ जीवन व्यतीत कर रहा है और अपने धन को बचा रहा है। शिविर का संचालन करते हुए निदेशक विश्व नाथ गुप्ता ने सभी का आभार जताया। शिविर में एके श्रीवास्तव, राज कुमार त्रिपाठी, अशोक अग्रवाल, मुकुंद मोहन शर्मा, मुरली अग्रवाल, बालो बूरे वाले, विनोद अग्रवाल, राजू बीड़ी वाले, महावीर शर्मा, विनोद बर्तन वाले, प्रदीप सराफ, प्रो के एम अग्रवाल, सुलेमान, डॉ गिरधारी, राधा चरण जी, ब्रज किशोर त्रिपाठी, अजय बंसल आदि ने भाग लिया। उधर, अपना घर आश्रम में योग दिवस पर सभी प्रभु जनों, सेवा साथियों, आश्रम एवं महिला समिति के पदाधिकारियों को योगाचार्य अच्युत शरण महाराज ने योग का महत्व बताकर योगासन कराए।

देश की गंगा-जमुनी तहजीब को भाजपा खतरा बनी: सुधाकर

वरिष्ठ संवाददाता

भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी माले के प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते एक वक्ता।

भाकपा (माले) का जिला स्तरीय प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

यूनिक समय, मथुरा। भाकपा (माले) जिला इकाई के बैनर तले जिला स्तरीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन सौंख रोड स्थित एक होटल में किया गया। इसमें वक्ताओं ने संगठन को मजबूत कर फांसीवाद को परास्त करने के आह्वान किया। संचालन करते हुए राज्य स्थायी समिति सदस्य का नशीर शाह एडवोकेट ने प्रशिक्षण शिविर पर प्रकाश डाला। उन्होंने जिले की संगठनिक गतिविधियों के बारे में संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की। राज्य सचिव कामरेड सुधाकर यादव ने कहा कि देश की गंगा-जमुनी तहजीब के लिये भाजपा खतरा बन चुकी है। वह देश की सम्पत्ति को अडानी-अम्बानी के हाथों कौड़ियों के भाव नीलाम कर रही है। वो असहमति की आवाज को कुचलने का काम कर रही है। उन्होंने जिले के नेतृत्वकारी साथियों को भाकपा माले को मजबूत कर वामपंथी एकता व संयुक्त कार्यवाहियों पर बल दिया। शिविर में सवाल-जवाब का दौर भी चला। प्रशिक्षण शिविर में केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर 9 जुलाई को होने वाली राष्ट्रीय हड़ताल का पुरजोर समर्थन कर उसमें हिस्सा लेने का प्रस्ताव सर्व सम्मति से पास किया गया। शिविर की अध्यक्षता करते हुए पार्टी के पूर्व जिला सचिव कामरेड गिरधारी लाल चतुर्वेदी ने आभार जताया। शिविर में नत्थी लाल पाठक, बृहम सिंह, मनोज वर्मा, गेंदा लाल महाशय, शिवकुमार एडवोकेट, राकेश चौधरी, डाक्टर एल एन सिंह, उत्तम चंद सहजना, पीतम सिंह, विजय सिंह, सलीम खान, अतर सिंह, इलियास अब्बासी, अमर सिंह, अनुराग चतुर्वेदी, विशन चंद अग्रवाल एडवोकेट, ठाकुर दिलीप सिंह, नईम शाह एडवोकेट, अमन शाह एडवोकेट, विष्णु बाल्मीकि, राजवीर सिंह, सौरभ यादव, अजय चौधरी, मानवेन्द्र, छत्तर पाल एवं मनोहर लाल सैनी आदि उपस्थित थे।

ट्रैफिक पुलिस की ढील से गोवर्धन की बिगड़ रही ट्रैफिक व्यवस्था

नो एंट्री जोन में जमकर दौड़ रहे हैं वाहन

दान घाटी मंदिर मार्ग पर भी लगा रहता है जाम

रविवार को तो पूरी तरह गोवर्धन में लगा रहता है जाम

यूनिक समय, गोवर्धन (मथुरा)। गोवर्धन कस्बे की यातायात व्यवस्था पुलिसकर्मियों की ढील के चलते फिर से चरमरा गई है। डीग अड्डा, एकता तिराहा, दानघाटी मार्ग आदि पर वाहनों के लगने वाले जाम के चलते लोगों का सड़क से गुजरना मुश्किल हो रहा है। शिकायत करने के बाद इस समस्या की ओर अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं। आईपीएस अधिकारी गोल्डी गुप्ता के पास जब तक थाने का चार्ज रहा उस समय तक इन स्थानों पर लगने वाले जाम से लोगों को राहत रही। उनके जाने के बाद गोवर्धन में फिर से लोगों को जाम से जूझना पड़ रहा है। रविवार को तो खास तौर पर डीग अड्डा से एकता तिराहे तक वाहनों की लंबी लाइनें लगी रहती है, जिसके चलते सड़क जाम रहती है। यहां लगने वाले जाम को खुलवाने के लिए कोई भी ट्रैफिक कर्मी नजर नहीं आता है। पुलिस की इस लापरवाही के चलते कस्बे में वाहनों की एंट्री बढ़ गई है। दान घाटी जैसे व्यवस्तम मार्ग पर भी बाहरी राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों का जमावड़ा लगा रहता है। इन मार्गो पर भारी वाहन भी रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। हालांकि डीग अड्डे से एकता तिराहे के बीच मार्ग नो पार्किंग जोन घोषित है। इसके बाद भी इस मार्ग पर वाहन किस तरह अंदर जा रहे हैं। ट्रैफिक पुलिस की ढील के चलते कस्बे की यातायात व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो रही है। जाम के चलते लोगों को भारी परेशानी हो रही है।

उठावनी
अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरी पूज्य माताजी श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी स्वः श्री गोवर्धन दास अग्रवाल (डी.एस.ओ.वाले) का स्वर्गवास दिनांक 21.06.2025 को हो गया है, जिनकी उठावनी (आज) दिनांक 23.06.2025 को शाम 4 से 5 तक महिलाओं एवं पुरुषों की अग्रवाटिका, सरस्वती कुंड, मथुरा पर होगी ।
स्व. श्रीमती लक्ष्मी देवी
शोकाकुल
गगन दीप गोयल (पुत्र) विनोद अग्रवाल (देवर) महेशचन्द्र ड्रैस वाले-मधुरानी, पंकजबाबू ड्रैसवाले-मायादेवी (देवर-देवरानी) कलिन्द्रकुमार-श्यामलता, दीपकुमार-मोहिता, गौरव-अंकिता (भतीजे भतीजाबहू) शिवम, सहज, अगम, रिव्या, खुशी (नाति-नातिन) एवं समस्त रेवती परिवार
मायका पक्ष - वनवारी लाल, बंगालीमल (भाई) राजेन्द्र, राजेश (भतीजे)

गांजा तस्करी करने वाला चौथा तस्कर भी दबोचा

एक्सप्रेस वे पर कार को छोड़कर भाग गए थे तस्कर

जांच के दौरान तस्करों के चार नाम आए थे प्रकाश में

पुलिस की गिरफ्त में गांजा तस्कर।

यूनिक समय, मथुरा। यमुना एक्सप्रेस वे पर एएनटीएफ मेरठ और मांट पुलिस ने टोल प्लाजा पर एक महेंद्रा कार से 158 किलो ग्राम गांजा बरामद किया था। इस मामले में जांच में चार अभियुक्त प्रकाश में आए। एक अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गौरतलब है कि 7 मार्च को एएनटीएफ मेरठ की टीम और मांट पुलिस ने टोल प्लाजा पर एक गाड़ी से गांजा ले जाने की सूचना पर संयुक्त कार्रवाई की थी। पुलिस के आने से पहले गांजा तस्कर कार को छोड़ कर भाग गए थे। पुलिस ने इस मामले में जांच की तो इस मामले में सरताज निवासी सालेमपुर कोटला थाना कपूरपुर जिला हापड़, मोहन निवासी गोदाम सोनाला जयपुर, आबिद उर्फ भोदल निवासी रूपम सराय नरसल घाट थाना कोतवाली नगर बुलंदशहर, नाजिम निवासी अब्दुल्ला मंडी थाना हाफिजपुर हापुड़ प्रकाश में आए थे। पुलिस ने मोहन को 3 मई, आबिद उर्फ भोदल को 31 मई तथा नाजिम को 2 मई को गिरफ्तार कर लिया था। सरताज पुलिस के उस समय से हत्थे नहीं चढ़ा था। पुलिस ने उसे भी कल अतरपुर चौराहा थाना कोतवाली हापुड़ से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार करने वाली टीम में उप निरीक्षक लोकेंद्र सिंह एएनटीएफ मेरठ, उप निरीक्षक अरविंद व मांट व एएनटीएफ की टीम शामिल है।

पूर्व डीडीओ के निधन पर सपाईयों को दुख

सपा के प्रदेश सचिव भारत भूषण शर्मा के पिता डीडीओ स्व. रामदत्त शर्मा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि देते मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के अध्यक्ष अनीस राजा।

यूनिक समय, मथुरा। समाजवादी पार्टी मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष अनीस राजा आज मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड के प्रदेश सचिव भारत भूषण शर्मा के घर शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे।

गौरतलब है कि श्री शर्मा के पिता पूर्व जिला विकास अधिकारी राम दत्त शर्मा का गत दिनों निधन हो गया था। प्रदेश अध्यक्ष ने स्व. रामदत्त शर्मा के चित्र पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रदेश अध्यक्ष ने श्रद्धांजलि सभा स्थल पर बैठे सपा नेताओं के साथ मुलाकात की। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने फोन कर इस दुख की घड़ी में उनके परिवार के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की। इस मौके पर सपा पार्षद दल के नेता मुन्ना मलिक, युवजन सभा के पूर्व जिला अध्यक्ष साहुन खान, मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के निवर्तमान जिला अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह, लोहिया वाहिनी के जिला अध्यक्ष पवन चौधरी, लोहिया वाहिनी के महानगर अध्यक्ष कमरुद्दीन मलिक, यूथ ब्रिगेड के महानगर अध्यक्ष इमरान अब्बास एवं यूथ ब्रिगेड के पूर्व अध्यक्ष सतीश पटेल आदि उपस्थित थे।

ऋषि परंपरा के अद्वितीय संत थे ब्रह्मर्षि देवरहा बाबा सरकार

ब्रह्मर्षि देवरहा बाबा की प्रतिमा के पास खड़े ब्रह्मर्षि देवदास महाराज (बड़े सरकार)।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृन्दावन। इण्टरनेशनल देवरहा दिव्य फाउंडेशन के बैनर तले यमुना पार स्थित देवरहा बाबा समाधि स्थल पर ब्रह्मर्षि योग सम्राट देवरहा बाबा का त्रिदिवसीय 35वां योगिनी एकादशी वार्षिक पुण्यतिथि महोत्सव मनाया जा रहा है। महोत्सव के दूसरे दिन विश्वभर से आए असंख्य भक्तों-श्रृद्धालुओं ने गर्भ गृह व महा समाधि का अभिषेक व पूजन अर्चन किया गया। साथ ही वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य विश्व शांति को यज्ञ किया। रात्रि जागरण करते हुए दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने संगीत की मृदुल स्वर लहरियों के मध्य अखंड हरिनाम संकीर्तन किया। आश्रम के अध्यक्ष ब्रह्मर्षि देवदास महाराज (बड़े सरकार) ने कहा कि ब्रह्मर्षि देवरहा बाबा सरकार ऋषि परंपरा के अद्वितीय संत थे। उन्हें अष्टांग योग की सिद्धि और ब्रह्मलीन अवस्था में रहने की सिद्धियां प्राप्त थी। वे हमेशा सत्य, धर्म, भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का उपदेश देते थे। उन्होंने अपना सारा जीवन गंगा, यमुना, नर्मदा व सरयू आदि नदियों के किनारे लकड़ी के बने उंचे मचान पर रहते हुए व्यतीत किया। वे त्रिकाल दर्शी और सिद्ध योगी थे। उन्होंने कभी भी जाति, वर्ण, संप्रदाय आदि के आधार पर किसी से भेदभाव नहीं किया। उन्होंने कहा कि पूज्य बाबा महाराज कहा करते थे कि जैसे दो लकड़ी की रगड़ से अग्नि उत्पन्न होती है, वैसे ही एक लकड़ी हृदय है और दूसरी लड़की राम नाम। जब हृदय की लकड़ी पर राम नाम रूपी लकड़ी की बारम्बार रगड़ होगी, तो निश्चित ही भगवान राम का साक्षात्कार हो जाएगा। योगीराज देवदास महाराज (बड़े सरकार) ने कहा कि यदि थोड़े बहुत साधन से ईश्वर की अनुभूति न हो, तो हमको निराश नहीं होना चाहिए। जैसे एक गोताखोर यदि एक बार में सागर से मोती प्राप्त नहीं कर पाता है, तो वो निरन्तर गोते लगाकर अपने उद्देश्य में सफल हो जाता है। वैसे ही साधक को भी ईश्वर प्राप्ति के लिए निरन्तर साधना करते रहना चाहिए। महोत्सव में उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ ब्रज विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्रा, भजन गायक नंदू भैया, डॉ. गोपाल चतुर्वेदी, महंत रामकेवल दास महाराज, महन्त शिवदत्त प्रपन्नाचार्य महाराज, डॉ. राधाकांत शर्मा आदि उपस्थित थे।

जीआरपी ने पकड़ा मोबाइल चोर

यूनिक समय, मथुरा। राजकीय रेलवे पुलिस ने मथुरा जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या आठ से एक मोबाइल चोर को गिरफ्तार किया है।

राजकीय रेलवे थाना प्रभारी निरीक्षक यादराम सिंह ने बताया कि उप निरीक्षक आशुतोष सिंह पुलिस टीम के साथ प्लेटफॉर्म संख्या आठ पर यात्रियों की सुरक्षा एवं गश्त कर रहे थे।

इसी दौरान वहां एक संदिग्ध युवक दिखाई दिया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक चोरी का मोबाइल बरामद हुआ है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त चंद्रेश कुशवाह निवासी रिचई थाना त्यौंदा जिला विदिशा मध्य प्रदेश है।

उपदेश कुमार बने आरपीएफ के नये निरीक्षक

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन पर तैनात आरपीएफ थाने के निरीक्षक अवधेश गोस्वामी का स्थानांतरण टूंडला के लिए हो गया है। उनके स्थान पर बुलंदशहर से उपदेश कुमार कौशिक को मथुरा जंक्शन आरपीएफ इंस्पेक्टर के पद पर भेजा गया है।

पांच हजार परिषदीय विद्यालय बंद करने के खिलाफ कांग्रेस

सेठवाड़ा स्थित कांग्रेस कार्यालय पर आयोजित बैठक में पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पांच हजार परिषदीय विद्यालय को बंद करने के निर्णय को लेकर कांग्रेस ने रविवार को कार्यालय पर हुई बैठक में विरोध जताया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक निषाद व जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर ने कहा कि सरकार के इस निर्णय को लेकर जिला मुख्यालय का घेराव किया जाएगा। कहा कि भाजपा सरकार शिक्षा जैसे मौलिक अधिकार को समाप्त करने पर तुली हुई है। परिषदीय विद्यालयों में अधिकांश छात्र गरीब व ग्रामीण अंचलों के पढ़ाई करते हैं। ऐसे बच्चों के खिलाफ खिलवाड़ कर रही है।

जिला मुख्यालय घेराव को लेकर किया ऐलान

महिला कांग्रेस नेत्री भगवान देवी ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि योगी सरकार बच्चों के स्कूल बंद कर रही है, लेकिन शराब के ठेके बंद करने चाहिए लेकिन शराब के ठेको को बढ़ावा दे रही है।

इस मौके पर करन निषाद, उमाशंकर शर्मा, विक्रम बाल्मीकि, मनोज गौड़, शैलेंद्र चौधरी, रमेश कश्यप, बनवारी चौधरी, जुगल वार्ष्णेय, योगेश निषाद, सुरेश शर्मा, हर्ष कुमार, दिलशाद खान, खुशी राम पटेल, राजा गौतम एवं पंकज चौधरी आदि उपस्थित थे।

सात दिन में आंतों की गंदगी को साफ कर देगा ये नेचुरल ड्रिंक

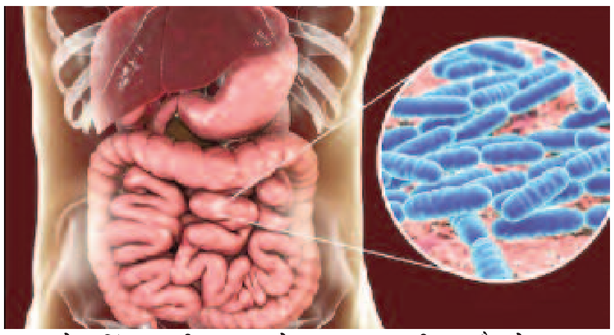

यूनिक समय, नई दिल्ली। हमारे शरीर में आंतें बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यह न केवल भोजन को पचाने का काम करती हैं, बल्कि पचे हुए पोषक तत्वों को शरीर के अन्य अंगों तक पहुंचाने में भी अहम योगदान देती हैं। लेकिन आज की भागदौड़ भरी जिंदगी, खराब खानपान और अस्वस्थ जीवनशैली के चलते हमारी आंतें सही तरीके से काम नहीं कर पातीं। धीरे-धीरे पाचनतंत्र कमजोर होने लगता है और गट हेल्थ बिगड़ जाती है। जब हम बार-बार तला-भुना, प्रोसेस्ड या वसायुक्त खाना खाते हैं, तो इसका सीधा असर हमारी आंतों पर पड़ता है। शरीर के भीतर टॉक्सिन जमा होने लगते हैं और पेट में मल, गैस या एसिडिटी जैसी समस्याएं पैदा हो जाती हैं। अगर आपको लगता है कि आपका पेट सुबह पूरी तरह साफ नहीं हो रहा है, तो यह संकेत हो सकता है कि आपकी आंतों को डिटॉक्स करने की जरूरत है। आंतों को साफ और गट को हेल्दी बनाए रखने के लिए एक खास घरेलू ड्रिंक काफी मददगार हो सकता है। यह ड्रिंक खीरा, नींबू, अदरक, शहद और सब्जा सीड्स से तैयार किया जाता है। खीरा शरीर को ठंडक देने के साथ-साथ डिटॉक्सिफाई करने में मदद करता है। नींबू और अदरक पाचन क्रिया को बेहतर बनाते हैं जबकि सब्जा सीड्स फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं। इस ड्रिंक को बनाने का तरीका बेहद आसान है। सबसे पहले सब्जा सीड्स को कुछ समय के लिए पानी में भिगो दें। एक खीरे को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अब मिक्सर में खीरा, भीगे हुए सब्जा सीड्स और थोड़ा अदरक डालें और अच्छी तरह से पीस लें। तैयार मिश्रण को एक गिलास में निकालें, उसमें बर्फ डालें, ऊपर से थोड़ा नींबू का रस और एक चम्मच शहद मिलाएं। यह जूस न केवल स्वाद में अच्छा होता है, बल्कि शरीर के भीतर की सफाई करने में भी मदद करता है। अगर इस ड्रिंक का सेवन लगातार सात दिनों तक किया जाए, तो इसका असर साफ तौर पर देखा जा सकता है। आंतों में जमा गंदगी धीरे-धीरे बाहर निकलने लगती है, पेट हल्का महसूस होता है और त्वचा में भी चमक आने लगती है। साथ ही यह ड्रिंक वजन घटाने में भी उपयोगी साबित होता है। इसके साथ ही डाइट में फाइबर युक्त चीजों को शामिल करना भी जरूरी है। जैसे ओट्स, सेब, भीगे हुए बादाम और विभिन्न प्रकार की बेरीज। ओट्स पाचनतंत्र को मजबूत बनाते हैं और आंतों में गुड बैक्टीरिया को बढ़ाने में मदद करते हैं। सेब में मौजूद प्राकृतिक प्रोबायोटिक गट हेल्थ को बेहतर बनाते हैं। इसके अलावा, संतरा, मौसंबी जैसे खट्टे और रेशेदार फल भी रोजाना खाने चाहिए। अगर आप अपने शरीर को अंदर से साफ रखना चाहते हैं और पाचनतंत्र को मजबूत बनाना चाहते हैं, तो यह प्राकृतिक तरीका बेहद असरदार है। बिना किसी दवाई के आप सिर्फ 7 दिनों में खुद में बदलाव महसूस कर सकते हैं।

आज ही अपनी डाइट में इसे शामिल करें

कमज़ोर बालों की जड़ों के लिए आज़माएं परंपरागत घरेलू नुस्खा

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर समय रहते बाल झड़ने की समस्या पर ध्यान न दिया जाए, तो यह धीरे-धीरे गंजेपन का रूप ले सकती है। इसलिए जरूरी है कि समय रहते बालों की देखभाल शुरू कर दी जाए। आज हम आपको एक बेहद आसान और असरदार घरेलू नुस्खे के बारे में बता रहे हैं, जो बालों की जड़ों को मजबूत करने में मदद कर सकता है। इस नुस्खे को तैयार करने के लिए आपको केवल दो चीजों की जरूरत होगी अंडे का सफेद हिस्सा और ऑलिव ऑइल। सबसे पहले एक कटोरी में अंडे का सफेद भाग निकालें। इसके बाद उसमें एक बड़ा चम्मच ऑलिव ऑइल मिलाएं। अब इन दोनों को अच्छी तरह से मिक्स करें ताकि एक स्मूद पेस्ट तैयार हो जाए। इस मिक्सचर को रूई की मदद से बालों की जड़ों और स्कैल्प पर अच्छे से लगाएं। लगाने के बाद इसे कम से कम 30 मिनट तक ऐसे ही छोड़ दें। फिर किसी माइल्ड शैंपू से बालों को धो लें। इस प्रक्रिया को सप्ताह में 1 से 2 बार दोहराएं। अंडे का सफेद हिस्सा प्रोटीन से भरपूर होता है, जो बालों को मजबूत बनाता है, जबकि ऑलिव ऑइल में मौजूद फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट स्कैल्प को पोषण देने का काम करते हैं। इन दोनों का मिश्रण बालों में आई कमजोरी और पोषण की कमी को दूर करने में सहायक है। अगर आप हेयर फॉल की समस्या से जूझ रहे हैं, तो इस घरेलू उपाय को अपने हेयर केयर रूटीन का हिस्सा बनाएं। नियमित इस्तेमाल से बालों की जड़ें मजबूत होंगी और बालों का झड़ना भी कम हो सकता है।

बरसात में इन दालों को खाने से बचें, वरना पाचन होगा खराब

यूनिक समय, मथुरा। मानसून का मौसम जहां एक तरफ राहत लेकर आता है, वहीं दूसरी ओर यह पेट से जुड़ी समस्याएं भी बढ़ा देता है। बारिश के चलते वातावरण में नमी बढ़ जाती है, जिससे शरीर की पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है। आयुर्वेद के अनुसार इस मौसम में वात और कफ का असंतुलन होता है, जो गैस, अपच, सूजन और पेट दर्द जैसी समस्याओं का कारण बन सकता है। ऐसे में सही खानपान को अपनाना जरूरी है, खासकर दालों के मामले में, क्योंकि कई दालें इस मौसम में पचने में भारी हो सकती हैं।

पीली मूंग दाल: यह दाल सबसे हल्की और आसानी से पचने वाली मानी जाती है। न्यूट्रिशनिस्ट श्वेता शाह बताती हैं कि यह दाल पेट पर दबाव नहीं डालती और गैस, पेट फूलना या कब्ज जैसी समस्याओं से राहत देती है। बरसात में इसे खाना सुरक्षित और फायदेमंद होता है।

मसूर दाल: मसूर दाल थोड़ी गर्म प्रकृति की होती है, लेकिन यह जल्दी पक जाती है और पचने में भी हल्की होती है। यह दाल पाचन तंत्र को राहत देती है और मानसून में इसका सेवन सुरक्षित माना जाता है।

तुअर दाल: हालांकि तुअर दाल थोड़ी भारी हो सकती है, लेकिन अगर इसे सही मसालों जैसे राई, हींग, जीरा और थोड़ा घी डालकर पकाया जाए तो यह पचने में मदद करती है। इस मौसम में सीमित मात्रा में इसका सेवन किया जा सकता है।

राजमा: राजमा स्वाद में तो लाजवाब होता है, लेकिन यह पचने में भारी होता है और मानसून में गैस और पेट दर्द की वजह बन सकता है। इसलिए इसे खाने से परहेज करें।

चना दाल: यह दाल कफ बढ़ाने वाली होती है, जो इस मौसम में सूजन और अपच जैसी समस्याएं पैदा कर सकती है।

उड़द दाल: उड़द दाल सबसे भारी मानी जाती है और बरसात में इसे पचाना मुश्किल हो सकता है।

बारिश में बगैर बीज के ऐसे उगाएं हरे पौधे

यूनिक समय, मथुरा। मानसून का मौसम नए पौधे लगाने के लिए सबसे बेहतरीन समय माना जाता है। इस दौरान आप बिना बीज के केवल कटिंग के जरिए कई पौधे आसानी से तैयार कर सकते हैं।
गुलाब का पौधा कटिंग से उगाने के लिए आप किसी बड़े गुलाब के पौधे की मोटी डाली काटें और उसे गमले में लगाएं। सर्दियों में इस पर खूब फूल खिलते हैं।
जेड प्लांट जिसे लकी प्लांट भी कहा जाता है, इसकी मोटी पत्तियों वाली टहनी को गमले में लगाएं। कुछ ही दिनों में यह नई ग्रोथ देने लगता है।
मनी प्लांट भी आसानी से कटिंग से उगाया जा सकता है। गांठ के नीचे से कट लगाकर नई बेलें तैयार करें।
स्नेक प्लांट की कुछ टहनियों को गमले में लगाकर आप नया पौधा पा सकते हैं। यह कम पानी में भी जिंदा रहता है और हवा को शुद्ध करता है।
गुड़हल का पौधा भी कटिंग से लगाया जा सकता है। मोटी टहनी काटकर गमले में लगाएं, जल्द ही नई पत्तियां आनी शुरू हो जाएंगी। बारिश में ये पौधे तेजी से बढ़ते हैं और घर को हरा-भरा बनाते हैं।

नेचुरल ग्लो के लिए करें आलू का इस्तेमाल

यूनिक समय, मथुरा। आलू का उपयोग न केवल खाने में, बल्कि त्वचा की देखभाल में भी किया जा सकता है। इसमें विटामिन सी, बी1, बी3, बी6 और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो त्वचा को प्राकृतिक चमक और साफ-सुथरा लुक देने में मदद करते हैं। पहला फेस मास्क आलू और शहद का है। तीन चम्मच आलू का रस और दो चम्मच शहद मिलाकर चेहरे और गर्दन पर लगाएं। पंद्रह मिनट बाद पानी से धो लें। यह त्वचा को नमी प्रदान करता है और झुर्रियों को कम करता है।
दूसरा मास्क आलू और नींबू का है। इसमें दो चम्मच आलू का रस, दो चम्मच नींबू का रस और आधा चम्मच शहद मिलाकर पेस्ट बनाएं। इसे चेहरे पर लगाएं और पंद्रह मिनट बाद धो लें। यह तैलीय त्वचा के लिए उपयोगी है।
तीसरे मास्क में आधे आलू का रस और एक अंडे का सफेद भाग मिलाएं। चेहरे पर लगाकर सूखने दें और फिर धो लें। यह त्वचा को टाइट करता है।
चौथा फेस पैक आधा कद्दूकस किया हुआ आलू और आधा चम्मच हल्दी मिलाकर बनाया जाता है। इसे चेहरे पर लगाकर पंद्रह मिनट बाद धो लें। यह टैनिंग कम करता है और रंगत निखारता है।

डायबिटीज में फायदेमंद हैं ये पत्ते, कम होता है शुगर लेवल

यूनिक समय, मथुरा। डायबिटीज यानी मधुमेह आज के समय की सबसे तेजी से फैलने वाली बीमारियों में से एक बन चुकी है। यह एक मेटाबॉलिक डिसऑर्डर है, जिसमें शरीर में ब्लड शुगर यानी रक्त शर्करा का स्तर सामान्य से अधिक हो जाता है। अगर समय रहते इस पर नियंत्रण न किया जाए, तो यह आंखों, किडनी, हृदय और नर्वस सिस्टम को भी प्रभावित कर सकती है। इस बीमारी का मुख्य कारण अनियमित जीवनशैली, असंतुलित आहार, शारीरिक गतिविधियों की कमी, तनाव और नींद की कमी है। हालांकि, आधुनिक दवाओं के साथ-साथ कुछ प्राकृतिक उपाय भी ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मददगार हो सकते हैं। इसी विषय पर हाल ही में प्रसिद्ध न्यूट्रिशनिस्ट पूजा मखीजा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में उन्होंने एक खास पौधे का उल्लेख किया है, जिसके पत्तों का सेवन ब्लड शुगर लेवल को प्राकृतिक रूप से नियंत्रित करने में सहायक हो सकता है। इस पौधे को इंसुलिन प्लांट कहा जाता है। इंसुलिन प्लांट का वैज्ञानिक नाम कोस्टस इग्नियस है। यह एक हरा-भरा, छोटा लेकिन घना पौधा होता है, जिसकी पत्तियां औषधीय गुणों से भरपूर होती हैं।
पूजा मखीजा के अनुसार, इस पौधे के पत्तों में पोरोसेलिक एसिड नामक सक्रिय यौगिक पाया जाता है। यह यौगिक शरीर में इंसुलिन संवेदनशीलता को बढ़ाता है और कोशिकाओं में ग्लूकोज के अवशोषण की क्षमता को बेहतर बनाता है। इसके साथ ही, यह यौगिक अग्न्याशय की बीटा कोशिकाओं को सक्रिय और मजबूत करने में मदद करता है, जिससे शरीर में नेचुरल इंसुलिन का उत्पादन सुचारू रूप से होता है। कई प्रारंभिक रिसर्चों और आयुर्वेदिक मान्यताओं के अनुसार, इस पौधे के नियमित सेवन से टाइप-2 डायबिटीज के मरीजों को लाभ मिल सकता है। पूजा मखीजा बताती हैं कि इंसुलिन प्लांट के ताजे हरे पत्तों को रोज़ सुबह खाली पेट चबाना सबसे प्रभावशाली तरीका है। एक बार में 1 से 2 पत्तों का सेवन पर्याप्त माना जाता है। इसका स्वाद थोड़ा कसैला हो सकता है, लेकिन इसके लाभ काफी अधिक हैं। पत्तियों को धोकर सीधा चबाया जा सकता है या फिर इन्हें सुखाकर चूर्ण के रूप में भी उपयोग किया जा सकता है। लेकिन, ताजे पत्ते ही सबसे प्रभावी माने जाते हैं। इस उपाय को अपनाते समय यह समझना जरूरी है कि यह कोई चमत्कारी इलाज नहीं, बल्कि एक सहायक उपचार है। यदि आप पहले से ही ब्लड शुगर कंट्रोल करने वाली दवाएं ले रहे हैं, तो इंसुलिन प्लांट का सेवन शुरू करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह लेना आवश्यक है इस पौधे का अत्यधिक सेवन रक्त में शुगर लेवल को खतरनाक रूप से कम कर सकता है, जिससे हाइपोग्लाइसीमिया जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। किसी भी नेचुरल उपाय को अपनाने से पहले व्यक्ति की मौजूदा स्वास्थ्य स्थिति और मेडिकल हिस्ट्री को ध्यान में रखना बेहद जरूरी है। न्यूट्रिशनिस्ट पूजा मखीजा यह भी कहती हैं कि किसी भी प्राकृतिक उपाय से लाभ तभी मिल सकता है।

सुविचार

जो समय की कद्र करता है, समय उसे महान बना देता है।

कल का पंचांग

तिथि	त्रयोदशी	01:22-10:10 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	कृत्तिका	05:38-03:16 तक	माह	आषाढ़
सूर्योदय		5:46 AM	चन्द्रोदय	03:11 AM
सूर्यास्त		7:11 PM	चंद्रास्त	05:17 PM
सूर्य राशि		मिथुन राशि	चंद्र	वृषभ राशि
शुभ मुहूर्त		12:02AM –12:55 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:10-04:58
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2082
राहुकाल		07:27AM–09:07AM	वार	सोमवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

वाणी, बुद्धि और समृद्धि के देव, इन मंदिरों में दर्शन से मिलती है कृपा

यूनिक समय, मथुरा। वैदिक ज्योतिष में बुध ग्रह का विशेष महत्व है। इसे ग्रहों का राजकुमार कहा गया है, जो वाणी, बुद्धि, व्यापार और निर्णय क्षमता का प्रतिनिधित्व करता है। बुध देव के इष्ट देव भगवान गणेश और श्रीकृष्ण हैं, और यह ग्रह उत्तर दिशा का स्वामी माना जाता है। कुंडली में बुध की शुभ स्थिति व्यक्ति को चतुर, वाक्पटु और व्यापार में सफल बनाती है, वहीं अशुभ स्थिति में निर्णय में भ्रम, वाणी दोष और व्यापार में नुकसान हो सकता है।

बुध ग्रह सूर्य और शुक्र के मित्र, जबकि चंद्र और मंगल के शत्रु माने गए हैं। यह कन्या और मिथुन राशियों का स्वामी है, कन्या में उच्च और मीन में नीच स्थिति में होता है।

बुध ग्रह पर क्रूर ग्रहों का प्रभाव हो या यह नीच का होकर अशुभ भावों में स्थित हो तो 'बुध दोष' उत्पन्न होता है। ऐसे में विष्णुसहस्त्रनाम का पाठ और बुध से संबंधित मंदिरों में दर्शन लाभ अत्यंत लाभकारी माना गया है। भारत में कई ऐसे प्राचीन मंदिर हैं जहां बुध ग्रह की विशेष पूजा की जाती है। तमिलनाडु के नागपट्टिनम में स्थित थिरुवेंकाडु बुध मंदिर को बुध ग्रह का सबसे प्रमुख मंदिर माना जाता है, जिसे श्वेतअरण्य या ज्ञान अरण्य भी कहा जाता है। यहां चार भुजाओं वाले बुध देव की पूजा होती है। मान्यता है कि यहां 17 बार परिक्रमा कर दीप जलाने से बुध दोष दूर होता है और बुध देव की कृपा से बुद्धि और समृद्धि प्राप्त होती है।

इसी प्रकार, तमिलनाडु के कुंभकोणम में स्थित श्री नवग्रह मंदिर भी दक्षिण भारत का प्रसिद्ध स्थल है, जहां बुध ग्रह की विशेष पूजा होती है। मध्य प्रदेश के नौगांव में स्थित श्री नवग्रह मंदिर भी बुध दोष निवारण के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध है। यहां श्रद्धालु विशेष पूजन के माध्यम से बुध ग्रह की कृपा प्राप्त करते हैं।

इन मंदिरों में श्रद्धापूर्वक दर्शन और पूजन से बुध ग्रह के अशुभ प्रभाव शांत होते हैं और जीवन में सुख–समृद्धि का आगमन होता है।

देवशयनी एकादशी: 6 जुलाई को भगवान विष्णु योगनिद्रा में

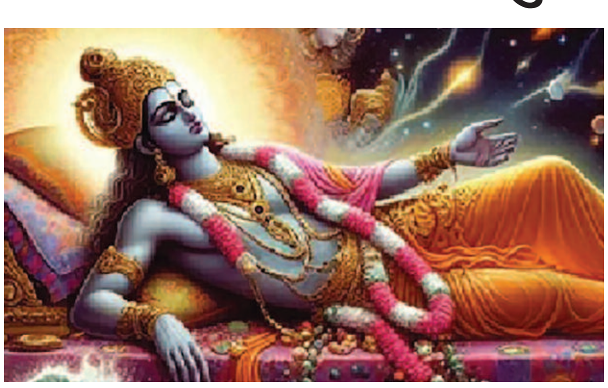

यूनिक समय, मथुरा। देवशयनी एकादशी हिंदू धर्म में अत्यंत महत्वपूर्ण तिथि मानी जाती है। इसे हरि शयनी एकादशी या पद्मा एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। इस वर्ष 2025 में देवशयनी एकादशी 6 जुलाई, रविवार को मनाई जाएगी। इसी दिन से भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं और चातुर्मास का आरंभ होता है।

हिंदू पंचांग के अनुसार, आषाढ़ शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 5 जुलाई को शाम 6:58 बजे आरंभ होकर 6 जुलाई रात 9:14 बजे तक रहेगी। एकादशी का व्रत और पूजन 6 जुलाई को किया जाएगा, क्योंकि उसी दिन सूर्योदय है। इस दिन तीन विशेष शुभ योग–सर्वार्थ सिद्धि योग, शुभ योग और शुक्ल योग का संयोग बन रहा है। सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 5:29 बजे से लेकर रात 1:11 बजे तक रहेगा, जिसमें पूजा, दान और व्रत विशेष फलदायी माना गया है। अभिजीत मुहूर्त 11:58 से 12:54 तक रहेगा, जबकि राहुकाल प्रातः 7:13 से 8:58 तक है, जिससे बचना चाहिए।

देवशयनी एकादशी से शुरू होने वाले चातुर्मास के दौरान सभी देवता योगनिद्रा में रहते हैं। इन चार महीनों में विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, उपनयन जैसे मांगलिक कार्य नहीं किए जाते।

जो श्रद्धालु व्रत रखते हैं, वे 7 जुलाई को प्रातः 5:29 से 8:16 के बीच व्रत पारण करें।

धार्मिक मान्यता है कि इस व्रत के पालन से व्यक्ति को समस्त पापों से मुक्ति मिलती है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। यह व्रत श्रीहरि विष्णु की विशेष कृपा पाने का श्रेष्ठ मार्ग है।

सावधान! क्या आपने भी घर के बाहर लटकाया है नजर बट्टू तो हो सकते हैं कंगाल!

यूनिक समय, नई दिल्ली। अपने घर व परिवारवालों को बुरी नजर से बचाने के लिए अधिकतर लोग घर के बाहर राक्षस का मुखौटा टांग देते हैं। माना जाता है कि इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा नहीं जाती है, लेकिन क्या सही में घर के बाहर नजर बट्टू लगाना शुभ होता है? आइए जानते हैं राक्षस के मुखौटे से जुड़े वास्तु नियमों के बारे में।

हिंदू धर्म से जुड़े लोग अपने आप को बुरी नजर व नकारात्मक ऊर्जा से बचाने के लिए तरह–तरह के उपाय व टोटके अपनाते हैं। जहां कुछ लोग रोजाना काला टीका लगाते हैं, तो वहीं कुछ अपने हाथ व पैर में काला धागा पहनते हैं। इसके अलावा अपने घर को बुरी नजर से बचाने के लिए मुख्य द्वार पर राक्षस का मुखौटा, चप्पल–जूते, टायर, मटका या भद्दी सी दिखने वाली कोई चीज टांग देते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के बाहर भद्दी सी दिखने वाली कोई भी वस्तु को नहीं लगाना चाहिए। इससे आपको लाभ होने की जगह नुकसान होने की संभावना ज्यादा है। आइए विस्तार से जानते हैं घर के बाहर राक्षस का मुखौटा यानी नजर बट्टू को टांगने से जुड़ी जरूरी बातों के बारे में।वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के बाहर कभी भी कोई अशुभ, डरावनी व नेगेटिव एनर्जी से जुड़ी चीज को नहीं लगाना चाहिए। इसके अलावा घर के अंदर भी इन चीजों को रखने से बचना चाहिए। इन चीजों को नकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है, जिससे नेगेटिव एनर्जी अट्रैक्ट होती है। इसी वजह से कहा जाता है कि घर के बाहर व मुख्य द्वार पर कभी भी राक्षस का मुखौटा जैसे दिखने वाली चीज को नहीं लगाना चाहिए। इससे घर में बुरी शक्तियों व नेगेटिव एनर्जी के आने की संभावना अधिक हो जाती है। कुंडली में नवग्रहों की स्थिति पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इससे न चाहते हुए भी व्यक्ति का दुर्भाग्य मजबूत होने लगता है, जिससे वो बार–बार परेशानियों से घिर जाता है।

वैदिक वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के बाहर घोड़े की नाल को भी नहीं लगाना चाहिए। दरअसल, घोड़े की नाल लोहे की होती है और लोहे का संबंध शनि ग्रह से होता है। इससे आपके ऊपर शनि की वक्री दृष्टि पड़ सकती है, जिससे आपकी सफलता पर ब्रेक लग सकता है। इसके अलावा आप आर्थिक, शारीरिक और मानसिक तीनों तरह की समस्याओं से परेशान रह सकते हैं। घोड़े की नाल के अलावा घर के मुख्य दरवाजे पर टायर और फटे पुराने जूते–चप्पल को टांगना भी अशुभ होता है। इससे धन की देवी मां लक्ष्मी आपसे नाराज हो सकती हैं, जिससे आपको पैसों की कमी का सामना करना पड़ सकता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के बाहर देवी–देवताओं और स्वास्तिक चिन्ह की तस्वीर लगाना शुभ माना जाता है। घर के बाहर भगवान गणेश की तस्वीर को लगाना सबसे ज्यादा उत्तम होता है। गणपति बप्पा अपने भक्तों की सभी समस्याओं को हर लेते हैं, जिससे परिवारवालों का भाग्य मजबूत होता है। इससे हर एक व्यक्ति की तरक्की होने की संभावना बढ़ जाती है। घर में नकारात्मकता का भी वास नहीं होता है, जिससे बीमारियों के होने का जोखिम कम हो जाता है। साथ ही वास्तु दोष भी नहीं लगता है।

सिर्फ मांगने से नहीं मिलेगा सपना,पहले खुद को बनाओ काबिल!

यूनिक समय, मथुरा। हाँ, कई लोग मानते हैं कि अगर आप दिल से कुछ चाहें और उसे लिखकर ब्रह्मांड को संदेश भेजें, तो वह इच्छा अवश्य पूरी होती है। लेकिन क्या केवल मुराद लिख देने से सब कुछ प्राप्त हो जाता है? नहीं। इसके पीछे एक गहरी भावना और तैयारी आवश्यक होती है।

आजकल लोग कल्पना पट्ट (विज़न बोर्ड), आकांक्षा पत्र, या पश्चिम दिशा में मुरादें चिपकाने जैसे उपाय अपनाते हैं। लेकिन बहुत कम लोग यह सोचते हैं कि जो चीज़ वे मांग रहे हैं, क्या वे उसके लिए वास्तव में तैयार भी हैं?

मुंबई का एक युवक प्रतिदिन मर्सिडीज़ गाड़ी का सपना देखा करता था। उसने एक सफेद कागज़ पर बड़े अक्षरों में लिखा "मुझे मर्सिडीज़ चाहिए" और उसे अपने कमरे की दीवार पर चिपका दिया। उसने पूरी श्रद्धा और विश्वास से यह मुराद माँगी।

कुछ ही सप्ताहों में उसे हर जगह मर्सिडीज़ दिखाई देने लगी। सामाजिक मंचों पर विज्ञापन, सड़कों पर गाड़ियाँ, मित्रों की बातचीत में।

थोड़े समय में उसने ऋण के माध्यम से मर्सिडीज़ खरीद ली। पहले कुछ दिन स्वप्न जैसे बीते, लेकिन फिर वास्तविकता सामने आई। महँगी देखरेख, बीमा और पुर्जों का खर्चा। कुछ ही महीनों में उसे गाड़ी बेचनी पड़ी क्योंकि उसका खर्च उसकी आमदनी से कहीं अधिक था।

मुरादें कागज़ पर लिखने से पूरी होती हैं, लेकिन...

उसने मर्सिडीज़ की इच्छा तो प्रकट की, लेकिन यह नहीं सोचा कि क्या वह उसकी जिम्मेदारियों को निभा पाएगा। ब्रह्मांड आपकी बात अवश्य सुनता है, लेकिन वह आपको वही देता है जिसे आप पूरे मन, भावना और तैयारी से माँगते हैं। यदि आप बिना तैयारी के कुछ बड़ा माँगते हैं, तो वह वस्तु आशीर्वाद नहीं, बोझ बन सकती है।

इच्छा माँगने से पहले स्वयं से तीन प्रश्न अवश्य पूछें क्या मुझे इसकी पूरी जानकारी है? क्या मैं इसे दीर्घकाल तक संभाल सकता हूँ? क्या मैं मानसिक, आर्थिक और भावनात्मक रूप से इसके लिए तैयार हूँ? यदि इन प्रश्नों का उत्तर "हाँ" है, तभी मुराद को कागज़ पर उतारें।

अपनी इच्छा को स्पष्ट रूप से समझें। उसकी जिम्मेदारियों को भी स्वीकार करें। स्वयं को तैयार करें, फिर उसे पूरे भाव से लिखें। केवल "मैं धनवान बनना चाहता हूँ" न लिखें, बल्कि यह भी सोचें क्या आप धन की जिम्मेदारियों के लिए तैयार हैं?

मुरादें पूरी हो सकती हैं, लेकिन बिना तैयारी के नहीं। केवल चाहने से नहीं, बल्कि योग्य बनने और सच्ची भावना के साथ माँगने से ही ब्रह्मांड आपकी बात स्वीकार करता है। अतः अगली बार जब आप कागज़ पर अपनी इच्छा लिखें, तो पहले स्वयं से यह अवश्य पूछें क्या मैं इसके लिए तैयार हूँ?

सम्पादकीय

रफ्तार की इस दुनिया में रिश्तों की खामोशी

हम एक ऐसे समय में जी रहे हैं जहाँ बदलाव धीरे–धीरे हमारी आदतों में उतरता है। न कोई हलचल, न कोई घोषणा– बस धीरे–धीरे रिश्तों की जगह प्राथमिकताएँ लेती जा रही हैं। घर वही हैं, लोग वही हैं, लेकिन संवाद और जुड़ाव की ऊष्मा कहीं पीछे छूट गई है।

कभी जिन घरों में सुबह से रात तक बुजुर्गों की बातें, बच्चों की शरारतें, और रसोई की महक होती थी, वहाँ अब सन्नाटा पसरा रहता है। टीवी की आवाज़ या मोबाइल की घंटी भले हो, लेकिन दिल से उठने वाली बातचीत गायब है। संयुक्त परिवारों की जगह अब एकल परिवारों ने ले ली है। पहले यह बदलाव सिर्फ महानगरों तक सीमित था, लेकिन अब गाँव और कस्बे भी इससे अछूते नहीं हैं।

पवन गौतम
संपादक

हर उम्र का व्यक्ति किसी न किसी दौड़ में शामिल है–युवा करियर के पीछे भाग रहा है, अधेड़ अपनी जिम्मेदारियों में उलझा है, बुजुर्ग अपने होने की उपयोगिता साबित करने में लगे हैं, और बच्चे स्कूल, कोचिंग और स्क्रीन में खोए हुए हैं। इस दौड़ में रिश्ते धीमे हो गए हैं। साथ होना अब औपचारिकता है, बातचीत एक योजना बन चुकी है।

तकनीक ने हमें जोड़ा जरूर है, लेकिन वह जुड़ाव ऊपरी है। पहले एक छत के नीचे बैठकर बातें होती थीं, अब स्क्रीन पर इमोजी से भावनाएँ व्यक्त होती हैं। सब कुछ दिखता है– हँसी, आँसू, गुस्सा–लेकिन उसमें आत्मीयता नहीं है।

आर्थिक ज़रूरतें अब केवल ज़रूरत नहीं, जीवनशैली का मानदंड बन चुकी हैं। इच्छाएँ तय करती हैं कि कितना कमाना है, कितना खर्च करना है। इस भागदौड़ में जो सबसे पहले खोता है, वह है मानसिक शांति और आपसी रिश्तों की सहजता।

त्योहार अब साथ बैठकर मनाने का अवसर नहीं, सोशल मीडिया पर फोटो पोस्ट करने का बहाना बनते जा रहे हैं। रीति–रिवाज़ अब परंपरा नहीं, विकल्प बन चुके हैं। शादी–ब्याह भी अब घर का आयोजन न होकर इवेंट प्लानिंग का हिस्सा लगते हैं।

इस पूरे बदलाव में कोई एक व्यक्ति दोषी नहीं है। यह एक सामूहिक प्रक्रिया है, जिसमें हम सब शामिल हैं। यही वजह है कि यह बदलाव सबका है, फिर भी किसी की जिम्मेदारी नहीं लगती।

समस्या तब और गंभीर हो जाती है जब अकेलापन सामान्य लगने लगता है, जब खामोशी आदत बन जाती है। यह कोई बीते कल की बात नहीं है, यह आज का सच है। जरूरी है कि हम इस पर गौर करें, थोड़ी देर रुकें, देखें कि क्या खो रहा है। क्योंकि अक्सर जो सबसे चुप होता है, वही सबसे गहराई से बदलता है।

नजरिया

बुजुर्गों की मुस्कान में छिपा है हमारे संस्कारों का उजियारा

राजकुमार गौतम

जब कोई बुजुर्ग मुस्कुराता है, तो वह सिर्फ एक चेहरे की अभिव्यक्ति नहीं होती, बल्कि एक पूरे जीवन के अनुभव, संघर्ष, धैर्य और त्याग की जीवंत झलक होती है। वह मुस्कान उस संतोष की प्रतीक होती है जो उन्होंने वर्षों तक अपने परिवार, समाज और देश के लिए निस्वार्थ भाव से दिया। लेकिन अफसोस की बात है कि आज यह मुस्कान धीरे–धीरे फीकी पड़ती जा रही है। आज के सामाजिक और पारिवारिक परिवेश में बुजुर्गों को जिस तरह से उपेक्षा और अकेलेपन का सामना करना पड़ रहा है, वह न केवल चिंताजनक है बल्कि हमारी सभ्यता के लिए भी एक चेतावनी है।

कभी भारतीय समाज में बुजुर्गों को आदर और सम्मान का सर्वोच्च स्थान प्राप्त था। परिवार की हर छोटी–बड़ी बात में उनकी राय सर्वोपरि मानी जाती थी। लेकिन अब समय बदल गया है। आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम अपने मूल्यों और रिश्तों को पीछे छोड़ते जा रहे हैं। संयुक्त परिवार अब टूटकर एकल परिवारों में बदल गए हैं और युवा पीढ़ी की व्यस्त जीवनशैली ने बुजुर्गों को घर के कोने में सीमित कर दिया है। वे जो कभी घर की आत्मा हुआ करते थे, आज बस एक "जिम्मेदारी" बनकर रह गए हैं।

हेल्पएज इंडिया द्वारा कराए गए एक अध्ययन में यह सामने आया कि भारत में 60% से अधिक बुजुर्गों ने अपने जीवन में किसी न किसी प्रकार के दुर्व्यवहार का सामना किया है। इन दुर्व्यवहारों में शारीरिक नहीं, बल्कि मानसिक, भावनात्मक, मौखिक और आर्थिक शोषण की घटनाएं ज्यादा देखने को मिलती हैं। सबसे दुःखद बात यह है कि अधिकतर मामलों में यह दुर्व्यवहार करने वाले उनके अपने ही होते हैं बेटे, बहुएं, पोते या अन्य नजदीकी रिश्तेदार। मानसिक और भावनात्मक उपेक्षा की बात करें, तो यह सबसे आम रूप है।

बुजुर्गों को बातचीत में शामिल न करना, उनकी राय की उपेक्षा करना, उन्हें ताने देना या अकेले कमरे में छोड़ देना यह सब उनकी आत्मा को गहराई से चोट पहुँचाता है। मौखिक दुर्व्यवहार जैसे अपशब्द कहना, डांटना, बार–बार उनकी निर्भरता को लेकर ताने देना, उन्हें भीतर से तोड़ देता है। वे चुप रहते हैं, क्योंकि वे डरते हैं कि कहीं उनका कोई शब्द उन्हें और अधिक अपमानित न कर दे। आर्थिक शोषण भी आज की एक बड़ी समस्या है। बुजुर्गों की पेंशन, जमा पूंजी, संपत्ति और अन्य आर्थिक संसाधनों पर उनका नियंत्रण धीरे–धीरे छीन लिया जाता है। कई बार उनसे जबरदस्ती दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवा लिए जाते हैं, और उन्हें कानूनी रूप से भी असहाय बना दिया जाता है। उनके जीवन की पूंजी, जिसे उन्होंने वर्षों की मेहनत से जोड़ा होता है, उनसे छीन ली जाती है।

स्वास्थ्य सेवाओं की अनदेखी भी एक गंभीर मामला है। बुजुर्गों को समय पर दवाइयां न देना, डॉक्टर के पास न ले जाना, या उनकी बीमारी को नजरअंदाज करना ये सभी कृत्य उनके जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। कई बार बुजुर्गों को वृद्धाश्रम भेज दिया जाता है, या उन्हें घर के किसी कोने में अकेला छोड़ दिया जाता है, जहाँ वे न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक पीड़ा से भी जूझते हैं। इस गिरती स्थिति के पीछे कई सामाजिक और सांस्कृतिक कारण हैं। सबसे पहले तो संयुक्त परिवार की परंपरा का टूटना है। पहले के समय में तीन पीढ़ियाँ एक साथ रहती थीं, जिससे हर सदस्य को सुरक्षा, स्नेह और सम्मान का भाव मिलता था। लेकिन अब परिवार सिमट गए हैं और बुजुर्गों को 'अतिरिक्त' मान लिया गया है।

इसके अलावा, जीवन की तेज़ गति, रोजगार की मजबूरी, और सामाजिक मूल्यों में गिरावट ने रिश्तों को कमजोर बना दिया है। आज की पीढ़ी तकनीक के साथ जुड़ गई है, लेकिन भावनात्मक रूप से अलग होती जा रही है। सोशल मीडिया और वर्चुअल संवाद ने परिवार के सदस्यों के बीच की निकटता को घटा दिया है। अब "घर" तो है, लेकिन उसमें अपनापन और संवाद की कमी है। बुजुर्गों के पास बैठकर उनकी बातें सुनने का समय किसी के पास नहीं है। लेकिन यह भी सच है कि जब हम उनके पास बैठते हैं, उनके जीवन की कहानियाँ सुनते हैं, तो वह न केवल ज्ञानवर्धक होती हैं, बल्कि हमें जीवन के कई पहलुओं को देखने का नया नजरिया भी देती हैं। सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए कुछ कानून और योजनाएँ लागू की हैं। 2007 में पारित वरिष्ठ नागरिक भरण–पोषण और कल्याण अधिनियम के अंतर्गत बुजुर्ग अपने बच्चों या उत्तरदायित्व वाले संबंधियों से भरण–पोषण की कानूनी मांग कर सकते हैं। इसके अलावा, बुजुर्गों के लिए हेल्पलाइन नंबर 14567 शुरू किया गया है, जहाँ वे सहायता और परामर्श प्राप्त कर सकते हैं। राज्य सरकारों ने भी वृद्धाश्रम, चिकित्सा सेवाएं और पेंशन योजनाएं लागू की हैं, लेकिन ये उपाय तभी प्रभावी हो सकते हैं जब समाज में संवेदना और जागरूकता हो।कानून अपनी जगह है, लेकिन बदलाव तभी आएगा जब परिवार और समाज जागरूक होंगे। हमें यह समझना होगा कि बुजुर्ग केवल घर के एक सदस्य नहीं, बल्कि पूरे परिवार के मार्गदर्शक और जीवन मूल्यों के वाहक होते हैं। उनकी उपेक्षा केवल उनके जीवन को ही नहीं, पूरे समाज को कमजोर बनाती है। यदि आज हम अपने बुजुर्गों के साथ संवेदनशील नहीं होंगे, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमारे साथ भी वैसा ही व्यवहार करेंगी।

हमें चाहिए कि हम अपने जीवन में बुजुर्गों के लिए समय निकालें। उनके साथ संवाद करें, उनकी समस्याओं को समझें, और उन्हें यह महसूस कराएँ कि वे अकेले नहीं हैं। सप्ताह में कुछ घंटे भी उनके साथ बिताना उनके जीवन में खुशियाँ ला सकता है। उनकी आँखों में जो संतोष की चमक होती है, वह हमें हमारी संस्कृति और संस्कारों की याद दिलाती है। बुजुर्गों के अनुभव किसी विश्वविद्यालय की डिग्री से कम नहीं होते। उनका जीवन संघर्ष, धैर्य, सफलता और असफलता की कहानियों से भरा होता है। यदि हम उनके अनुभवों को आत्मसात करें, तो हम कई गलतियों से बच सकते हैं और अपने जीवन को बेहतर दिशा में ले जा सकते हैं।

आज जरूरत है कि हम बुजुर्गों को बोझ न समझें, बल्कि उन्हें अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं। हमें उनके जीवन की संध्या को उजास से भरना है, उन्हें वह गरिमा देनी है जिसके वे अधिकारी हैं। यह केवल एक सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक नैतिक उत्तरदायित्व है। क्योंकि जब बुजुर्ग मुस्कुराते हैं, तब हमारे संस्कार मुस्कुराते हैं। उनकी मुस्कान हमारे चरित्र का आईना है। आज यदि हम उनके प्रति अपने कर्तव्यों को ईमानदारी से निभाते हैं, तो हम न केवल एक बेहतर समाज बनाएंगे, बल्कि खुद को भी एक बेहतर इंसान बना पाएंगे।

विचार विण्डो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की साइप्रस यात्रा के मायने

चेतनादित्य आलोक

भारत ने हाल के वर्षों में तुर्कीए के तमाम विरोधी देशों, जिनमें ग्रीस, आर्मेनिया, मिस्त्र और साइप्रस के साथ अपने संबंधों को मजबूती प्रदान करने के प्रयास किए हैं। इस क्रम में ग्रीस, आर्मेनिया, और मिस्त्र के साथ मित्रता एवं व्यापारिक तथा सामरिक संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से पीएम मोदी उन देशों के दौरे पहले ही कर चुके हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साइप्रस, कनाडा और क्रोएशिया की अपनी अत्यंत महत्वपूर्ण यात्रा के पहले चरण में यूरोपीय संघ के सदस्य देश साइप्रस पहुंचे, जो भारत का पुराना मित्र भी है। राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडुलाइड्स ने हवाई अड्डे पर पहुंचकर उनका जोरदार स्वागत किया। बाद में, उन्होंने पीएम मोदी को वहां के सर्वोच्च सम्मान से अलंकृत भी किया, जो भारत और साइप्रस के प्रगाढ़ होते संबंधों को दर्शाता है। पीएम मोदी की तीन देशों की इस यात्रा का प्रमुख उद्देश्य भारत के वैश्विक संबंधों को मजबूत करना, आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देना तथा वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की प्राथमिकताओं को लेकर कूटनीतिक प्रयासों को और तेज करना है। देखा जाए तो उपर्युक्त तीन देशों में भी साइप्रस का भारत के लिए अत्यंत विशेष महत्व है। हालांकि, अब तक हमने इस ओर कम ही ध्यान दिया है। तभी तो, लगभग 22 वर्षों के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने साइप्रस का आधिकारिक दौरा किया है। इससे पहले 1983 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने और 2002 में प्रधानमंत्री रहते अटल बिहारी वाजपेयी ने रिपब्लिक ऑफ साइप्रस की आधिकारिक यात्रा की थी। बहरहाल, पीएम मोदी के साइप्रस दौरे से दोनों देशों के संबंधों में आई मधुरता, एकजुटता और आपसी सहयोग की भावना आने वाले समय में तुर्कीए की नींद हराम करने वाली साबित होगी, इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए।

दरअसल, पीएम मोदी के इस दौरे का उद्देश्य केवल भारत और साइप्रस के बीच मित्रता को बढ़ाना नहीं, बल्कि भारत के खिलाफ विशेषकर कश्मीर के मुद्दे पर खुलकर बोलते रहने वाले एवं पाकिस्तान को सैन्य तथा कूटनीतिक समर्थन और सहयोग प्रदान करते रहने वाले साइप्रस के पड़ोसी तुर्कीए को सख्त संदेश देना भी है कि भारत उसकी हरकतों का जवाब देना अच्छी तरह से जानता है। वहीं, भारत का साइप्रस के साथ खड़े होना तुर्कीए के लिए साफ संदेश है कि भारत उसके खिलाफ उन देशों का समर्थन कर करता रहेगा, जो तुर्कीए की आक्रामकता से परेशान हैं। तात्पर्य यह कि भारत ने तुर्कीए की दुखती रग पर हाथ रख दिया है। साथ ही, पीएम मोदी की इस यात्रा से यह उम्मीद भी जगी है कि यह दोनों देशों के बीच की मित्रता को और प्रगाढ़ करने के अलावा आपसी व्यापार, संस्कृति एवं रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने में भी प्रभावी साबित होगा। यह उम्मीद निराधार भी नहीं है, क्योंकि साइप्रस की भौगोलिक स्थिति इसे भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण बनाती है। बता दें कि यह भूमध्य सागर में तुर्कीए के दक्षिण में, लेवांत (सीरिया–लेबनान–फिलिस्तीन–इजरायल) के पश्चिम में और स्वेज नहर के निकट स्थित है। यानी साइप्रस यूरोप, एशिया और अफ्रीका के बीच एक अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो भारत–मध्य–पूर्व–यूरोप कॉरिडोर (आइएमईसी) के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण कड़ी साबित हो सकता है। आइएमईसी एक ऐसा व्यापारिक कॉरिडोर अथवा रास्ता है, जो भारत को मध्य–पूर्व के रास्ते यूरोप से जोड़ सकता है। यदि साइप्रस को इस कॉरिडोर में शामिल कर लिया जाए तो न केवल व्यापारिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने, बल्कि तुर्कीए की अनपेक्षित हेकड़ी को बंद करने में भी सफलता मिल सकती है। दरअसल, इसी उद्देश्य से भारत ने हाल के वर्षों में तुर्कीए के तमाम विरोधी देशों, जिनमें ग्रीस, आर्मेनिया, मिस्त्र और साइप्रस के साथ अपने संबंधों को मजबूती प्रदान करने के प्रयास किए हैं। इस क्रम में ग्रीस, आर्मेनिया, और मिस्त्र के साथ मित्रता एवं व्यापारिक तथा सामरिक संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से पीएम मोदी उन देशों के दौरे पहले ही कर चुके हैं। अब, उनकी यह साइप्रस यात्रा तुर्कीए को चारों तरफ से घेरने के भारत के रणनीतिक अभियान का ही एक हिस्सा प्रतीत होती है। वैसे, भारत के लिए साइप्रस की मित्रता हमेशा से बेहद महत्वपूर्ण रही है। बता दें कि संकट काल में साइप्रस ने हमेशा भारत का साथ दिया है, चाहे 1998 में भारत के परमाणु परीक्षण के बाद का समय हो, जब हम दुनिया में अलग–थलग पड़ने लगे थे या 2008 में भारत–अमेरिका परमाणु समझौते के समय अथवा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए वैश्विक समर्थन जुटाने का मामला हो। इसके अतिरिक्त, आतंकवाद और कश्मीर जैसे मुद्दों पर भी साइप्रस ने पाकिस्तान या तुर्कीए के बजाए हमेशा भारत का साथ दिया है।

वहीं, भारत भी हमेशा से साइप्रस की एकता और अखंडता का समर्थन करता रहा है, बल्कि भारत की तो यह मांग रही है कि साइप्रस का मुद्दा संयुक्त राष्ट्र के नियमों और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अंतर्गत हल किया जाए। बता दें कि साइप्रस और तुर्कीए का संघर्ष 1974 से ही चला आ रहा है, जब ग्रीस के समर्थन से साइप्रस में तख्तापलट हुआ था, ताकि साइप्रस को ग्रीस के साथ मिलाया जा सके। यही वह समय था, जब तुर्कीए ने साइप्रस के उत्तरी हिस्से पर हमला कर उसे अपने कब्जे में ले लिया था, जिसके बाद से ही साइप्रस दो भागों में बंटा हुआ है। साइप्रस का दक्षिणी भाग 'ग्रीक साइप्रियट्स' अथवा 'रिपब्लिक ऑफ साइप्रस' कहलाता है, जिसे विश्व भर के देशों से मान्यता मिली हुई है। वहीं, इसका उत्तरी भाग 'तुर्की साइप्रियट्स' के नाम से जाना जाता है। इसे तुर्कीए ने 'तुर्की रिपब्लिक ऑफ नॉर्दर्न साइप्रस' घोषित किया हुआ है, लेकिन इसे अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त नहीं है। तुर्कीए ने उत्तरी साइप्रस में अपनी सेना तैनात कर रखी है और समय–समय पर वहां की समुद्री सीमाओं पर भी अतिक्रमण करने का प्रयास करता रहता है। गौरतलब है कि साइप्रस की धरती में 12–15 ट्रिलियन क्यूबिक फीट प्राकृतिक गैस का भंडार मौजूद है, जिस पर तुर्कीए कब्जा करना चाहता है। इतना ही नहीं, तुर्कीए के हस्तक्षेप के कारण साइप्रस को अपनी ही गैस को निर्यात करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

यहां तक कि तुर्कीए साइप्रस के समुद्री क्षेत्र में अपने जहाज भेजकर गैस खोजने की कोशिशें भी कर चुका है, जिससे साइप्रस, ग्रीस और यूरोपीय संघ के साथ उसका तनाव बढ़ने की खबरें भी आती रही हैं। दरअसल, तुर्कीए का मानना है कि साइप्रस जैसे छोटे–से द्वीप को इतना बड़ा समुद्री क्षेत्र (ईईजेड) नहीं मिलना चाहिए। तुर्कीए के ये तमाम प्रयास ईईजेड से संबद्ध अंतरराष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ हैं। जाहिर है कि यदि भारत साइप्रस के साथ संस्कृति, ऊर्जा, व्यापार या बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाता है, तो यह तुर्कीए के लिए बहुत बड़ा झटका साबित हो सकता है। वहीं, तुर्कीए की चतुर्दिक घेराबंदी और साइप्रस के साथ बढ़ते सहयोग एवं घनिष्ठता भारत की बढ़ती वैश्विक शक्ति एवं क्षमता का प्रतीक है।

भारतीय गेंदबाज बुमराह का ऐतिहासिक उपलब्धि

सेना देशों में सर्वाधिक विकेट लेने वाले बने एशियाई गेंदबाज

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली है। इंग्लैंड के विरुद्ध लीड्स में खेले जा रहे पहले क्रिकेट परीक्षण (टेस्ट) मैच की पहली पारी में शानदार गेंदबाज़ी करते हुए उन्होंने सेना देशों अर्थात् दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में सर्वाधिक विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाज़ बनने का गौरव प्राप्त किया। उन्होंने इस मामले में पाकिस्तान के महान गेंदबाज़ वसीम अकरम को पीछे छोड़ दिया।

बुमराह ने इस परीक्षण मैच के दूसरे दिन इंग्लैंड की पहली पारी में तीन महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए। उन्होंने सबसे पहले ज़ैक क्रॉवली को सस्ते में आउट करके भारत को शुरुआती सफलता दिलाई। इसके बाद उन्होंने बेन डकेट और अनुभवी बल्लेबाज़ जो रूट को भी पवेलियन भेजा। बुमराह की कसी हुई गेंदबाज़ी ने भारतीय आक्रमण को मजबूती प्रदान की और इंग्लैंड की बल्लेबाज़ी पर दबाव बना दिया।

भारत की पहली पारी 471 रन पर समाप्त हुई थी। इसके जवाब में इंग्लैंड ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक तीन विकेट खोकर 209 रन बना लिए थे। ओली पोप शतक बनाकर नाबाद क्रीज़ पर टिके हुए हैं, जबकि हैरी ब्रूक बिना खाता खोले उनके साथ मौजूद हैं। भारत के लिए अब तक सभी तीन विकेट जसप्रीत बुमराह ने ही लिए हैं।

सेना देशों में अब जसप्रीत बुमराह के नाम कुल 147 विकेट दर्ज हो चुके हैं, जबकि वसीम अकरम के नाम इन देशों में 146 विकेट थे। इस सूची में भारत के पूर्व दिग्गज फिरकी गेंदबाज़ अनिल कुंबले 141 विकेटों के साथ तीसरे और तेज़ गेंदबाज़ ईशांत शर्मा 130 विकेटों के साथ चौथे स्थान पर हैं।

बुमराह की यह उपलब्धि उनकी निरंतर मेहनत, तकनीकी कौशल और तेज़ गेंदबाज़ी के प्रति समर्पण का प्रमाण है।

इस प्रदर्शन ने न केवल भारत की जीत की संभावनाओं को मज़बूती दी है, बल्कि उन्हें एशिया के सबसे सफल तेज़ गेंदबाज़ों की सूची में शीर्ष स्थान भी दिलाया है। आगामी दिनों में यह देखना रोचक होगा कि बुमराह और कितनी ऊंचाइयों को छूते हैं।

मास्क लगाकर मेट्रो में घूमे वरुण धवन और अहान शेट्टी

लोगों ने नहीं पहचाना,अब वायरल हो रहा वीडियो

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड के दो चर्चित सितारे वरुण धवन और अहान शेट्टी हाल ही में पुणे मेट्रो की सैर पर निकले, लेकिन खास बात यह रही कि मेट्रो में सफर करते समय किसी ने भी उन्हें पहचान नहीं पाया। दरअसल, दोनों सितारों ने मास्क पहन रखे थे और आम यात्रियों के बीच खड़े नजर आए। उनका यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वे मेट्रो की बॉगी में मुस्कुराते हुए खड़े हैं।

यह नजारा दरअसल फिल्म 'बॉर्डर 2' की शूटिंग के दौरान का है, जो इन दिनों पुणे के प्रतिष्ठित नेशनल डिफेंस अकादमी में चल रही है। शाम की शूटिंग के बाद वरुण और अहान अपने क्रूके साथ मेट्रो से होटल लौटते नजर आए। इस वीडियो ने फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स का खासा ध्यान खींचा है।

फिल्म 'बॉर्डर 2' का निर्देशन अनुराग सिंह कर रहे हैं और इसमें सनी देओल एक बार फिर अपनी प्रतिष्ठित भूमिका में नजर आएंगे। उनके साथ दिलजीत दोसांझ, वरुण धवन और अहान शेट्टी जैसे सितारे भी फिल्म में अहम किरदार निभा रहे हैं। फिल्म का तीसरा शूटिंग शेड्यूल एनडीए में चल रहा है, जहां पर प्रमुख सैन्य दृश्य फिल्माए जा रहे हैं।

यह फिल्म 23 जनवरी, 2026 को गणतंत्र दिवस से ठीक पहले रिलीज होने वाली है और इसे देशभक्ति से ओतप्रोत एक भावनात्मक फिल्म के रूप में देखा जा रहा है। फिल्म 'बॉर्डर' का पहला भाग दो दशक पहले रिलीज हुआ था और जबरदस्त हिट रहा था। अब इसके दूसरे भाग से भी दर्शकों को काफी उम्मीदें हैं। खास बात यह है कि इस बार सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

सुनिधि और पारुल ने मिलकर गाया नारी शक्ति का गीत

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड की मशहूर गायिका सुनिधि चौहान और एक्ट्रेस व उद्यमी पारुल गुलाटी ने मिलकर विश्व संगीत दिवस के अवसर पर एक नया और प्रेरणादायक गीत 'मर्जी की मालकिन' रिलीज किया है। इस गीत के ज़रिए महिलाओं की आज़ादी, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का उत्सव मनाया गया है। संगीत निर्माता यशराज मुखाटे द्वारा कंपोज़ किया गया यह गाना अपने सशक्त बोल और बेहतरीन धुन से श्रोताओं के दिलों को छू रहा है।

गाने के बोल महिलाओं की "मर्जी की मालकिन" बनने की बात करते हैं–यानी अपनी ज़िंदगी के फैसले खुद लेने, अपनी आवाज़ बुलंद करने और अपने सपनों का पीछा करने की ताकत। पारुल गुलाटी, जो खुद अभिनेत्री से सफल व्यवसायी बनी हैं, इस गीत के ज़रिए उन सभी लड़कियों और महिलाओं को सशक्त संदेश देती हैं,

अब हर लड़की कहेगी, मैं हूं अपनी मर्जी की मालकिन

जो पारंपरिक सीमाओं को तोड़कर कुछ अलग करना चाहती हैं। पारुल कहती हैं, "यह सिर्फ एक गाना नहीं, एक घोषणा है। हर महिला को अपनी मर्जी से जीने का हक है।" उन्होंने संगीतकार यशराज मुखाटे और गायिका सुनिधि चौहान की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रोजेक्ट को जीवंत करने में उनका अहम योगदान है। सुनिधि चौहान की दमदार आवाज़ और पारुल की स्पष्ट सोच ने इस गीत को एक आंदोलन का रूप दे दिया है। यह गाना हर उस महिला को समर्पित है जो चुपचाप अपनी राह बना रही है, बिना किसी के आदेश या सहमति के। 'मर्जी की मालकिन' सिर्फ सुनने भर का गाना नहीं, बल्कि एक आत्मबल जगाने वाला साउंडट्रैक है।

सचिन तेंदुलकर ने ऋषभ पंत के अनोखे शॉट का किया खुलासा

जिस पर हंसती है दुनिया, वही है उनकी सबसे बड़ी ताकत

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत एक बार फिर अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से चर्चा में हैं। इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट में उन्होंने शानदार शतक लगाकर न सिर्फ टीम को मजबूती दी, बल्कि एक बार फिर अपने खास अंदाज वाले शॉट्स से सोशल मीडिया पर छा गए। खास तौर पर उनका वह पैडल स्वीप या स्कूप शॉट, जिसमें वह शॉट खेलने के बाद पिच पर गिर जाते हैं झ यही उनकी पहचान बन गया है।

जहां आम दर्शक और कमेंटेटर इस अंदाज पर मुस्कुराते हैं, वहीं मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने इस 'गिरते हुए शॉट' के पीछे की रणनीति का खुलासा किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह कोई संयोग नहीं, बल्कि पूरी तरह योजनाबद्ध और चालाकी भरा शॉट है। सचिन के अनुसार, गिरते हुए शॉट खेलने से पंत गेंद के ठीक नीचे आ पाते हैं और फिर कंट्रोल के साथ स्कूप या स्वीप कर गेंद को फाइन लेग या लेग स्लिप के ऊपर से बाउंड्री के पार पहुंचा देते हैं।

लीड्स टेस्ट के दूसरे दिन ऋषभ पंत ने अपना सातवां टेस्ट शतक जड़ा, जिसमें कई हैरतअंगेज़ शॉट्स शामिल थे। खासकर स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ खेला गया उनका पिछला घुटना मोड़कर पैडल स्वीप एक बार फिर चर्चा में रहा। दिलचस्प बात ये है कि इंग्लैंड की धरती पर यह पंत का तीसरा टेस्ट शतक था, जो उन्हें टीम इंडिया के खास खिलाड़ियों की सूची में शामिल करता है। सचिन तेंदुलकर ने न सिर्फ पंत के शॉट्स की सराहना की, बल्कि उनकी और शुभमन गिल की साझेदारी के दौरान खेली गई माइंड गेम की भी तारीफ की। उन्होंने बताया कि दोनों बल्लेबाज पाकिस्तानी मूल के इंग्लिश स्पिनर शोएब बशीर के सामने हिंदी में बात करके उसे कंफ्यूज कर रहे थे, जिससे उसकी लय टूटे। इसका असर भी दिखा, पहले दिन खतरनाक लग रहे बशीर दूसरे दिन पिट गए।

ऋषभ पंत की यह 'मैडनेस विद मैथड' आज क्रिकेट प्रेमियों के लिए मनोरंजन का साधन है, लेकिन यह भी साफ है कि इसके पीछे जबरदस्त दिमाग और साहसिक रणनीति है। यही कारण है कि वे न सिर्फ सोशल मीडिया के चहेते हैं, बल्कि दिग्गजों की नजर में भी खास जगह रखते हैं।

22 साल पहले टूटी थी करिश्मा-अभिषेक की सगाई

भावनात्मक दौर से कैसे उभरीं एक्ट्रेस?

यूनिक समय, नई दिल्ली। करिश्मा कपूर और अभिषेक बच्चन की सगाई साल 2002 में हुई थी, जिसने बॉलीवुड में खूब सुर्खियां बटोरीं। दोनों ने एक-दूसरे को करीब पांच साल तक डेट किया था और बच्चन परिवार भी करिश्मा को बहू के रूप में अपनाने को तैयार था। लेकिन कुछ ही महीनों में यह रिश्ता खत्म हो गया। दोनों परिवारों ने इसकी वजह सार्वजनिक नहीं की, मगर करिश्मा ने एक पुराने इंटरव्यू में अपने भावनात्मक संघर्ष पर खुलकर बात की थी। एक्ट्रेस ने स्वीकार किया कि सगाई टूटना उनके लिए बेहद पीड़ादायक अनुभव था। उन्होंने बताया कि यह साल उनके जीवन का सबसे कठिन समय था। करिश्मा ने कहा कि वह इस हालात के लिए मानसिक रूप से तैयार नहीं थीं, और दर्द से अकेले ही जूझना पड़ा। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि उनके परिवार ने उन्हें इस कठिन दौर से बाहर निकालने में सबसे बड़ा सहारा दिया।

करिश्मा ने कहा, "मैं नहीं चाहती कि कोई लड़की इस अनुभव से गुजरे। मुझे अपने दुखों से खुद लड़ना पड़ा, लेकिन वक्त के साथ सब कुछ ठीक हो जाता है।" उन्होंने यह भी कहा कि किस्मत में जो लिखा है, वही होता है। अगर उनका परिवार उस समय उनके साथ नहीं होता, तो शायद वह कभी संभल नहीं पातीं।आज जब उनके पूर्व पति संजय कपूर के निधन के बाद फिर से उनका नाम सुर्खियों में है, तो एक बार फिर यह पुराना किस्सा चर्चा में आ गया है। लेकिन करिश्मा का धैर्य और आत्मबल, इस दौर से बाहर आने की उनकी ताकत को दर्शाता है।

यूपी में चौंकाने वाला घोटाला

टेंट हाउस ने एक कार्यक्रम के लिए दो बार लिया भुगतान

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में एक चौंकाने वाला घोटाला सामने आया है। सीएम योगी आदित्यनाथ के एक सरकारी कार्यक्रम के आयोजन में टेंट हाउस संचालक ने अफसरों की आंखों में धूल झोंककर दो विभागों से एक ही काम के लिए दो बार भुगतान ले लिया। यह गड़बड़ी सामने आने के बाद संबंधित फर्म के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

मामला 2 फरवरी 2025 को पार्वती अरगा झील पर आयोजित "विश्व आर्द्रभूमि दिवस" कार्यक्रम से जुड़ा है, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम की व्यवस्था के लिए झिलाही बाजार स्थित महेंद्र सिंह टेंट हाउस को टेंट और खानपान की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। कार्यक्रम का आयोजन पीडब्ल्यूडी (निर्माण खंड एक) और सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग, बलरामपुर ने संयुक्त रूप से किया था।

जांच में सामने आया कि फर्म ने पहले 5 मार्च को वन विभाग से 19.95 लाख रुपये का भुगतान लिया और फिर उसी कार्य के लिए 29 मार्च को पीडब्ल्यूडी से 69.30 लाख रुपये में से 13.95 लाख रुपये दोबारा ले लिए। इस धोखाधड़ी का खुलासा होते ही पीडब्ल्यूडी के अवर अभियंता ललित कुमार पाठक ने नगर कोतवाली में केस दर्ज कराया।

अब प्रशासन मामले की विस्तृत जांच कर रहा है और फर्जीवाड़े में शामिल अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है। यह मामला सरकारी धन के दुरुपयोग का गंभीर उदाहरण बनकर सामने आया है।

यूपी में भारी बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। प्रदेश के पश्चिमी और तराई क्षेत्रों में अगले दो दिन भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा, फिरोजाबाद, बिजनौर, हाथरस और मुरादाबाद सहित कुल 10 जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है।

वहीं, फतेहपुर, कानपुर, गाजियाबाद, नोएडा, बुलंदशहर, एटा, इटावा सहित 20 जिलों में आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है। इन जिलों में तेज़ गर्जना के साथ वज्रपात का खतरा बना हुआ है। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने और खुले स्थानों से दूर रहने की सलाह दी है।

रविवार को बुंदेलखंड के ललितपुर में सबसे अधिक 132 मिमी बारिश दर्ज की गई।

इसके अलावा लखनऊ कानपुर और तराई के अन्य जिलों में भी हल्की से मध्यम बारिश हुई। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, मंगलवार को उत्तराखंड और नेपाल सीमा से लगे तराई जिलों में भारी बारिश की संभावना है।

पूरे प्रदेश में अगले तीन-चार दिनों तक रुक-रुक कर बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। किसानों के लिए यह बारिश लाभदायक हो सकती है, लेकिन वज्रपात और भारी जलभराव के खतरे को देखते हुए सतर्कता बरतना जरूरी है।

लोगों को सलाह दी गई है कि मौसम विभाग की अपडेट्स पर ध्यान दें और अनावश्यक यात्रा से बचें।

वन दरोगा की संदिग्ध मौत, सुसाइड की आशंका

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जिले में रविवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां एक वन दरोगा का शव फंदे से लटकता मिला। मामला भिनगा थाना क्षेत्र के गोठवा गांव के मजरा गंगापुर का है। मृतक वेद नारायण मिश्रा (36) लखीमपुर खीरी के छौंछा वन डिपो में तैनात थे।

शनिवार रात वह परिवार के साथ आंगन में सोए थे, लेकिन सुबह उनकी पत्नी सुधा देवी ने जब उन्हें बिस्तर पर नहीं पाया तो घर के अंदर जाकर देखा। वहां वेद नारायण का शव साड़ी के फंदे से छत पर लटका मिला। पत्नी की चीख पुकार पर गांव में हड़कंप मच गया और लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। वेद नारायण की पहली पत्नी बिन्नू की भी कुछ साल पहले फांसी लगाकर मौत हो चुकी थी। उनकी मौत के बाद मायके पक्ष ने वेद पर केस दर्ज कराया था, जो अब भी अदालत में चल रहा है। पहली पत्नी से उन्हें एक पुत्री अंशिका (20) और पुत्र अभिषेक (18) हैं। बाद में उन्होंने सुधा देवी से दूसरा विवाह किया, जिससे उनके दो बेटे हैं।

ग्रामीणों के अनुसार वेद पिछले कुछ समय से मानसिक तनाव में थे। पहली पत्नी के केस की कानूनी प्रक्रिया, वेतन न मिलना और नौकरी को लेकर भी वे परेशान चल रहे थे। इन्हीं सब कारणों से आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है।

थाना प्रभारी राज कुमार सरोज ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट होगा, और उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अजय राय का बुलडोजर से अनोखा स्वागत

ये मोहब्बत की दुकान वाला बुलडोजर है: प्रदेश अध्यक्ष

यूनिक समय, झांसी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का झांसी में अनोखे अंदाज़ में स्वागत किया गया। योगी सरकार की पहचान बन चुके बुलडोजर से फूल बरसाकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस प्रतीकात्मक अंदाज़ ने न केवल स्थानीय लोगों का ध्यान खींचा, बल्कि मीडिया की भी सुर्खियां बटोरीं।

जब इस अनोखे स्वागत को लेकर सवाल पूछा गया, तो अजय राय ने चुटकी लेते हुए कहा, "बुलडोजर दो तरह के होते हैं। ये मोहब्बत की दुकान वाला बुलडोजर है। योगी सरकार का बुलडोजर मोहब्बत को कुचलने और दबाने वाला है।" उनके इस बयान ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी।

अजय राय ने झांसी में मीडिया से बात करते हुए यह भी साफ कर दिया कि कांग्रेस आगामी पंचायत चुनाव अकेले लड़ेगी। उन्होंने कहा कि जिला पंचायत और ब्लॉक प्रमुख चुनाव में पार्टी अपने दम पर जीत हासिल करने का लक्ष्य रखेगी। जो उम्मीदवार इन चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे, उन्हें 2027 के विधानसभा चुनाव में टिकट दिया जाएगा। वहीं, चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए अजय राय ने महाराष्ट्र चुनाव का हवाला देते हुए कहा कि अब चुनाव आयोग पर जनता का विश्वास कम होता जा रहा है। अगर इसी तरह संदेह का माहौल बना रहा, तो आने वाले समय में शेष बचे लोगों का भरोसा भी उठ जाएगा।

इस तरह झांसी में अजय राय के दौरे ने जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जोश भरा, वहीं उनके बयानों ने सियासी गर्मी भी बढ़ा दी है।

अमौसी एयरपोर्ट पर निदेशक के सूटकेस से लाखों के जेवर चोरी

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह (अमौसी) एयरपोर्ट पर एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। यूपी काउंसिल ऑफ सुगरकेन रिसर्च के निदेशक बख्शी राम के सूटकेस से लाखों रुपये के जेवर चोरी हो गए। यह घटना तब उजागर हुई जब वे दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे और सामान चेक किया।

बख्शी राम, जो कि हरियाणा के गुड़गांव निवासी हैं, 25 अप्रैल को पत्नी विजेश के साथ एयर इंडिया की फ्लाइट से दिल्ली जा रहे थे। उन्होंने अमौसी एयरपोर्ट पर अपना सूटकेस लॉक कर बुक कराया था। इस सूटकेस में सोने का कड़ा, दो हीरे की अंगूठियां, एक पुखराज, एक रूबी और एक पन्ना की अंगूठी रखी थी।

दिल्ली एयरपोर्ट पर दोपहर करीब 12:30 बजे जब उन्होंने अपना सूटकेस खोला, तो उसमें से सभी कीमती जेवर गायब थे। उन्होंने आशंका जताई कि चोरी अमौसी एयरपोर्ट पर स्कैनर या लोडिंग कर्मियों द्वारा की गई है।

इसके बाद उन्होंने लखनऊ के सरोजनीनगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। इंस्पेक्टर राजदेव प्रजापति ने बताया कि पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और एयरपोर्ट के सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य सुरागों की जांच की जा रही है।

वहीं एयरपोर्ट प्रशासन ने भी मामले की पुष्टि की है और कहा है कि वे जांच में पुलिस को पूरा सहयोग कर रहे हैं। इस घटना से एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठे हैं और यात्रियों की संपत्ति की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। फिलहाल पुलिस जेवर चोरी की सटीक जगह और जिम्मेदार लोगों की पहचान करने में जुटी है।

सपा सरकार बनी तो पुलिस में महिलाओं की भर्ती के लिए ढांचागत बदलाव

यूनिक समय, लखनऊ। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि अगर प्रदेश में सपा की सरकार बनती है तो उत्तर प्रदेश पुलिस बल में महिलाओं की भर्ती के लिए विशेष ढांचागत सुधार किए जाएंगे। वे रविवार को सपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान सपा सांसद डिंपल यादव समेत कई महिला नेता और कार्यकर्ता मौजूद थीं। अखिलेश यादव ने कहा कि महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना सपा की प्राथमिकता रही है और पुलिस विभाग जैसे संवेदनशील क्षेत्र में महिलाओं की उपस्थिति से कानून व्यवस्था को अधिक सशक्त बनाया जा सकता है। इसके अलावा उन्होंने ईरान-इस्राइल युद्ध को लेकर भारत सरकार के रुख पर सवाल उठाते हुए कहा कि भारत को अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए और इस युद्ध पर अपना स्पष्ट स्टैंड दुनिया के सामने रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि हम मुश्किल समय में मित्र देशों के साथ खड़े नहीं होते, तो यह हमारी विदेश नीति के साथ विश्वासघात होगा। वहीं भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि मंदिरों के चंदे पर कब्जा करने के लिए भाजपा सरकार योजनाएं बना रही है। उन्होंने कहा कि बनारस जैसे ऐतिहासिक शहर में पुराने मंदिरों को तोड़ा गया, जबकि दुनिया के कई शहरों में ऐतिहासिक धरोहरों को संरक्षित किया गया है। साथ ही, अखिलेश यादव ने लखनऊ विकास प्राधिकरण को जेपीएनआईसी की बिक्री के मसले पर पत्र भेजने की बात भी कही और कहा कि पार्टी उसे खरीदना चाहती है।

बाग में अधेड़ की धारदार हथियार से हत्या, जांच जारी

यूनिक समय, लखनऊ। सीतापुर के अटरिया क्षेत्र के जजौर गांव में रविवार सुबह एक अधेड़ का शव बाग में पड़ा मिला। मृतक की पहचान टिकौली निवासी ईश्वरदीन (50) के रूप में हुई। शव पर धारदार हथियार से हमले के कई निशान पाए गए हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने जांच शुरू कर दी है। परिजनों ने कुछ लोगों पर शक जताया है, जिन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सार संक्षेप

विमान हादसे का मलबा हटाया गया

यूनिक समय, नई दिल्ली। एअर इंडिया विमान हादसे के बाद अहमदाबाद एयरपोर्ट से मलबा हटाया जा रहा है। गुजरात पुलिस ने पुष्टि की है कि हादसे की जांच और उड़ानों की व्यवस्था सुचारु करने के लिए यह कार्रवाई की गई।

पहलगाम हमलावरों तक पहुंचेगी एजेंसी : फारूक

यूनिक समय, नई दिल्ली। एनआईए ने पहलगाम आतंकी हमले में मददगार दो लोगों को गिरफ्तार किया। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि इससे हम हमलावरों की पहचान कर सकेंगे, यदि गिरफ्तारी सही है तो यह बड़ी सफलता होगी।

ईरान बनेगा परमाणु शक्ति : ओवैसी

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओवैसी ने अमेरिका के हमले को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया। कहा इससे अरब देशों को परमाणु ताकत की जरूरत महसूस होगी और ईरान आने वाले 5 वर्षों में परमाणु शक्ति बन सकता है।

इंडिगो फ्लाइट में खराबी, उड़ान रोकी गई

यूनिक समय, नई दिल्ली। चंडीगढ़ से लखनऊ जाने वाली इंडिगो फ्लाइट 6E146 में तकनीकी खराबी आने से टेकऑफ से पहले उड़ान रोक दी गई। विमान में 160 यात्री सवार थे। सभी सुरक्षित हैं।

राजस्थान में भारी बारिश, 26 जिलों में अलर्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजस्थान के 30 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी है। भरतपुर समेत 4 जिलों में ऑरेंज अलर्ट, जबकि 26 में येलो अलर्ट है। जोधपुर में कार नाले में गिरने से 3 लोगों की मौत हुई।

इजराइल में हवाई क्षेत्र बंद, अलर्ट घोषित

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका–ईरान तनाव के बीच इजराइल ने सभी हवाई उड़ानों पर रोक लगाई। स्कूल, कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। आपात स्थिति लागू है, सिर्फ जरूरी सेवाएं जारी रहेंगी।

गुजरात कांग्रेस ने संगठन में बदलाव किया

यूनिक समय, नई दिल्ली। गुजरात कांग्रेस ने 40 जिलों में नए अध्यक्षों की नियुक्ति की है। अहमदाबाद शहर अध्यक्ष सोनल पटेल बनाई गई हैं, जबकि कई पुराने नेताओं को उनके पदों पर बरकरार रखा गया है।

कामाख्या मंदिर के कपाट बंद

यूनिक समय, नई दिल्ली। अंबुवासी महायोग के तहत आज दोपहर से गुवाहाटी स्थित कामाख्या मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिए गए हैं। 26 जून को स्नान और अनुष्ठान के बाद फिर से खोले जाएंगे।

पहलगाम आतंकी हमले की एनआईए जांच में आया निर्णायक मोड़

पाकिस्तानी आतंकियों की भूमिका की पुष्टि की

यूनिक समय, नई दिल्ली। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए हिन्दू पर्यटकों के नरसंहार मामले की जांच में अब निर्णायक मोड़ आ गया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने पुष्टि की है कि इस बर्बर हमले को अंजाम देने वाले तीनों आतंकी पाकिस्तान के नागरिक हैं और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े हैं।

इससे पहले जम्मू–कश्मीर पुलिस ने जिन तीन आतंकियों–आदिल हुसैन टोकर, हाशिम मूसा और अली भाई–की तस्वीरें जारी की थीं, वे इस हमले में शामिल नहीं पाए गए। एनआईए की नई जांच के अनुसार, हमले को तीन नए पाकिस्तानी आतंकियों ने अंजाम दिया, जिन्हें स्थानीय कश्मीरी नागरिक परवेज अहमद जोथर और बशीर अहमद जोथर ने आश्रय और रसद सहायता दी थी। दोनों आरोपियों ने आतंकियों को बैसरन घाटी में हिल पार्क की मौसमी झोपड़ी में छिपाया था।

इस हमले में 26 हिंदू पर्यटकों को धार्मिक पहचान के आधार पर चुन–चुन कर मार डाला गया था। यह कार्रवाई बेहद सुनियोजित और क्रूर थी।

हमले के डेढ़ महीने बाद एनआईए ने परवेज और बशीर को गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया है। दोनों से पूछताछ जारी है ताकि हमलावरों की वर्तमान लोकेशन का पता चल सके।

एनआईए अधिकारियों का कहना है कि यह जांच की दिशा में बड़ी सफलता है और अब असली गुनहगारों तक पहुंचने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। यह भी स्पष्ट हो गया है कि इस हमले की साजिश पाकिस्तान की सरजमीं पर रची गई थी। अब जांच एजेंसियां आतंकियों की गिरफ्तारी की दिशा में तेज़ी से काम कर रही हैं।

दिल्ली मौसम कार्यालय का 'एक्स' अकाउंट हैक

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली स्थित भारत मौसम विज्ञान विभाग के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) को हैक कर लिया गया है। इस हैकिंग की पुष्टि खुद मौसम विभाग ने की है। हैकर्स ने इस अकाउंट से कुछ आपत्तिजनक और अनुचित सामग्री पोस्ट की, जिसे कुछ देर बाद डिलीट कर दिया गया।

मौसम विभाग ने रविवार सुबह जानकारी दी कि उनका 'एक्स' अकाउंट किसी अज्ञात साइबर हमलावर द्वारा अस्थायी रूप से नियंत्रित किया गया था। इसके बाद प्लेटफॉर्म पर कुछ असामान्य और अनुचित पोस्ट्स दिखाई दीं, जिससे यूज़र्स और विभाग दोनों सकते में आ गए। भारतीय मौसम विभाग ने तुरंत स्थिति को संभालते हुए पोस्ट्स को हटाया और संबंधित साइबर एजेंसियों को इसकी जानकारी दी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया, "हमारे एक्स अकाउंट से की गई कुछ हालिया पोस्ट्स हमारे

'अनुचित' पोस्ट की जांच शुरू

अधिकार में नहीं थीं। यह स्पष्ट रूप से हैकिंग का मामला है और हमने जांच शुरू कर दी है।" सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय और भारत सरकार की साइबर सुरक्षा एजेंसी ने भी इस मामले की गंभीरता को देखते हुए प्राथमिक जांच शुरू कर दी है। विभाग ने जनता से अपील की है कि वे फिलहाल किसी भी भ्रामक जानकारी या वायरल हो रही स्क्रीनशॉट्स पर विश्वास न करें। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचाव के लिए अतिरिक्त साइबर सुरक्षा उपाय अपनाए जाएंगे।

यह घटना ऐसे समय पर हुई है जब दिल्ली–एनसीआर में मानसून को लेकर जनता मौसम विभाग के सोशल मीडिया अपडेट्स पर निर्भर है, जिससे इस हैकिंग की संवेदनशीलता और बढ़ गई है।

चेन्नई से लंदन जा रहा विमान तकनीकी कारणों से लौटा

यूनिक समय, नई दिल्ली। चेन्नई से रविवार को लंदन जा रहे एक विमान को उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद परिचालन संबंधी कारणों से वापस लौटना पड़ा। इस विमान में कुल 209 यात्री सवार थे। चेन्नई हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि विमान को किसी संभावित तकनीकी खामी के कारण सतर्कता बरतते हुए वापस बुला लिया गया। यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उनके लिए वैकल्पिक उड़ानों की व्यवस्था की जा रही है।

हाल के दिनों में हवाई यात्रा को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरती जा रही है, विशेषकर अहमदाबाद विमान दुर्घटना के बाद। यही कारण है कि किसी भी प्रकार की असामान्य स्थिति में उड़ानों को तुरंत वापस बुलाया जा रहा है। इस घटना से कुछ ही दिन पहले एक और बड़ी हवाई आपात स्थिति सामने आई थी। गुवाहाटी से चेन्नई जा रहे इंडिगो विमान संख्या 6ई–6764 (ए321) को गुरुवार रात बेंगलुरु हवाई अड्डे पर आपातकालीन उतराव करना पड़ा था। उस विमान में 168 यात्री सवार थे। जानकारी के अनुसार, जब विमान चेन्नई में उतरने की तैयारी कर रहा था, तभी पट्टी (रनवे) को छूने से ठीक पहले विमान चालक ने 'फिर से उड़ान' (गो अराउंड) की प्रक्रिया अपनाई। इसके बाद विमान को लगभग 35 मील आगे उड़ाया गया, जहां ईंधन की कमी के कारण विमान चालक को 'आपातकालीन संकट संदेश' (मे–डे कॉल) देना पड़ा।

सीबीआई की छापेमारी में उजागर हुआ बड़ा भ्रष्टाचार

फर्जी जीएसटी रिफंड का 100 करोड़ का घोटाला

यूनिक समय, मथुरा। देश में बढ़ते भ्रष्टाचार और टैक्स चोरी के मामलों के बीच सीबीआई ने एक बड़ा खुलासा किया है। फर्जी जीएसटी रिफंड क्लेम के जरिए सरकार को करीब 100 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने वाले एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। इस मामले में बिहार और झारखंड के कुल 7 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की गई है। इसमें कस्टम विभाग के एक तत्कालीन एडिशनल कमिश्नर समेत कुल 29 लोगों की भूमिका जांच के घेरे में है। सीबीआई की यह कार्रवाई पटना, पूर्णिया, नालंदा, मुंगेर और जमशेदपुर में हुई। पटना में कार्यरत तत्कालीन एडिशनल कमिश्नर कस्टम्स के घर से 100 ग्राम की सात सोने की ईंटें, कई मोबाइल फोन, डिजिटल डिवाइस और आपत्तिजनक दस्तावेज

बरामद किए गए हैं। मामले की गंभीरता का अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि फर्जी बिलों के माध्यम से टाइल्स और ऑटोमोबाइल पार्ट्स के निर्यात का दावा किया गया था, जो असल में हुआ ही नहीं। आरोप है कि इन फर्जी निर्यात दस्तावेजों के आधार पर जीएसटी रिफंड क्लेम किया गया और करोड़ों की टैक्स छूट हासिल की गई।

सीबीआई की एफआईआर में भीमनगर और जयनगर के तत्कालीन अधीक्षकों समेत 23 फर्जी इंपोर्टर और कई जी–कार्ड धारक निजी एजेंटों का नाम शामिल है। जांच एजेंसी के अनुसार, इस पूरे षड्यंत्र का उद्देश्य निजी लाभ के लिए सरकारी पद का दुरुपयोग करना और रिश्वत के माध्यम से गलत तरीके से रिफंड प्राप्त करना था। सीबीआई ने अभी तक किसी गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं की है, लेकिन सूत्रों के अनुसार कुछ लोगों को जल्द ही हिरासत में लिया जा सकता है। इस मामले में शामिल सभी अफसरों और निजी कंपनियों की गहन जांच की जा रही है। यह घोटाला एक बार फिर यह सवाल उठाता है कि टैक्स सिस्टम में पारदर्शिता और निगरानी को और सख्त करने की जरूरत है, ताकि ऐसे भ्रष्टाचार को समय रहते रोका जा सके।

ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिका का हमला

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्य–पूर्व में जारी तनाव ने नया मोड़ ले लिया है। इजरायल और ईरान के बीच नौ दिनों से जारी युद्ध के बीच अब अमेरिका ने भी खुलकर हस्तक्षेप किया है। रविवार तड़के अमेरिकी वायुसेना ने ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों–फोर्डो, नतांज़ और इस्फ़हान–पर जबरदस्त हमला किया।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, फोर्डो परमाणु ठिकाने पर 12 बंकर बस्टर बम गिराए गए, जिनके लिए अमेरिका ने 6 अत्याधुनिक बी–2 बमवर्षक विमानों का उपयोग किया। वहीं नतांज़ और इस्फ़हान में अमेरिकी पनडुब्बियों से दागी गईं 30 टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों ने निशाना साधा। खास बात यह रही कि नतांज़ पर दो अतिरिक्त बंकर बस्टर बम भी गिराए गए। बंकर बस्टर बम विशेष रूप से भूमिगत ठिकानों को नष्ट करने के लिए बनाए जाते हैं। ये बम लक्ष्य के अंदर घुसकर विस्फोट करते हैं, जिससे

बंकर बस्टर बम और टॉमहॉक मिसाइलों का हुआ इस्तेमाल

अधिकतम नुकसान होता है। वहीं टॉमहॉक क्रूज मिसाइलें लंबी दूरी की सबसोनिक मिसाइलें हैं, जो दुश्मन के जमीनी ठिकानों को बेहद सटीकता से नष्ट करने में सक्षम हैं।

इस हमले के बाद रेडिएशन का खतरा जताया गया था, लेकिन अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, अब तक किसी प्रकार के रेडिएशन के संकेत नहीं मिले हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने यह कार्रवाई बिना कांग्रेस की अनुमति के की, और साथ ही ईरान को चेतावनी दी कि यदि जवाबी हमला हुआ तो अमेरिका और भी कठोर कदम उठाएगा। यह हमला क्षेत्रीय हालातों को और जटिल बना सकता है। फिलहाल नुकसान का आकलन जारी है।

दिल्ली–एनसीआर समेत कई राज्यों में मूसलाधार बारिश के आसार

यूनिक समय, नई दिल्ली। देशभर में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है और अगले कुछ दिनों में इसका प्रभाव और अधिक तेज होने की संभावना जताई गई है। भारतीय मौसम विभाग ने 21 जून से 26 जून तक देश के विभिन्न हिस्सों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। गुजरात और मध्य प्रदेश में रेड अलर्ट घोषित किया गया है। 21 जून को गुजरात के कई हिस्सों में अत्यधिक भारी वर्षा यानी 20 सेंटीमीटर से अधिक बारिश होने की संभावना है, जबकि 23 जून को मध्य प्रदेश में भी कुछ स्थानों पर इसी तरह की भारी बारिश की आशंका जताई गई है। इसके चलते इन राज्यों में जलभराव, कमजोर ढांचों को नुकसान और भूस्खलन जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

देश के उत्तर भारत में भी मौसम का मिजाज बदला हुआ है। पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और राजस्थान के कई हिस्सों में 21 से 26 जून के बीच रुक–रुक कर भारी बारिश हो सकती है। उत्तर प्रदेश में 22 और 23 जून को अत्यधिक भारी बारिश के साथ–साथ तेज हवाएं और बिजली गिरने की घटनाएं संभावित हैं। इसके साथ ही दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में भी अगले 3–4 दिनों तक मौसम में बदलाव बना रहेगा। 21 जून को हल्की बारिश के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं, जबकि 22 और 23 जून को मध्यम से भारी बारिश और कुछ इलाकों में गरज–चमक के साथ तूफानी हवाएं (50 किमी प्रति घंटे तक) चलने की संभावना है। 24 जून को हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है और तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है।

पूर्वोत्तर भारत के राज्यों जैसे असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा और मिजोरम में अगले 7 दिनों तक भारी बारिश की संभावना बनी हुई है। असम और मेघालय के नदी क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति भी बन सकती है। इसके अलावा मछुआरों के लिए भी चेतावनी जारी की गई है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में समुद्र अशांत रहेगा और अगले 5 दिनों तक ऊंची लहरें और तूफानी हवाएं चलने की आशंका है। मछुआरों को ओडिशा, तमिलनाडु, गुजरात, कोंकण और अंडमान निकोबार के तटों से दूर रहने की सलाह दी गई है। आमजन से सतर्क रहने, यात्रा के दौरान सावधानी बरतने और बिजली गिरने के समय सुरक्षित स्थानों में रहने की अपील की गई है।

बिजली कटौती से लघु उद्योग चौपट

बैल्डिंग का काम करता एक युवक,चक्की पर गेंहू पीसते संचालक और आरओ प्लांट।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। विद्युत की अघोषित कटौती का सबसे अधिक असर पड़ा है तो लद्यु उद्योगों पर। शहरी क्षेत्र के साथ–साथ कस्बा और ग्रामीण इलाके के लद्यु उद्योग पूरी तरह से चौपट हो गए हैं। लद्यु उद्योगों से जुड़े लोगों का कहना है कि बिजली कब आएगी और कब जाएगी, कोई भरोसा नहीं है। हालात यह हो गए हैं कि कई–कई दिनों तक काम तक नहीं होता है। आंधी–बारिश और ट्रांसफॉर्मर फॉल्ट की वजह से लघु उद्योग स्वामी सिर पर हाथ रखे रहते है। लघु उद्योग स्वामियों

कभी कभी तो बिजली न आने से नहीं निकल पाती है मजदूरी

का कहना है कि बिजली की आंख मिचौनी इतनी हो गयी है कि किसी–किसी दिन तो लेबर का खर्चा भी नहीं निकल पाता है। ग्रामीणों ने बताया कि बिजली के न तो आने का भरोसा होता है और नहीं जाने का। बिजली बंद रहने से आटा चक्की, स्पेलर समेत कई उद्योग प्रभावित हो रहे हैं। ग्राम अनौड़ा के चक्की स्वामी रवींद्र सिंह का कहना है कि बिजली समय से नहीं आती है। बिजली का इंतजार करते करते रह जाते हैं। ग्रामीण अपना गेहूं पिसाने के लिए डाल जाते हैं लेकिन बिजली का कोई भरोसा नहीं रहता है। कई–कई दिन तक उनके गेहूं पिसने के लिए चक्की पर पड़े रहते हैं। पाली चक्की वाले का कहना है कि गर्मी के मौसम में बिजली बहुत जाती है। लोगों का समय से आटा भी नहीं पिस पाता है। बिजली की आंख मिचौनी से हमारी मजदूरी भी नहीं निकल पाती है। हमारी रोजाना की इनकम पर काफी असर पड़ा है। जनपद में बिजली कटौती एक संकट बन चुकी है। आरओ प्लांट चलाने वाले शिवाय ने बताया कि बिजली ने तो बहुत बुरा हाल कर दिया है। गर्मियों में पानी की ज्यादा खपत होती है लेकिन बिजली न आने से लोगों को पानी की सप्लाई ठीक से नहीं हो पा रही है। इसकी वजह से किसी–किसी दिन इसका खर्चा भी नहीं निकल पाता है, जब बिजली अधिकारियों पर फोन करते है तो उन लोगों के फोन भी नहीं उठते है। बैल्डिंग का काम करने वाले अकरम का कहना है कि जनपद में बिजली आपूर्ति की कटौती से स्थानीय अर्थव्यवस्था पर भी असर दिख रहा है।

मथुरा में निकली भगवान परशुराम की भव्य शोभायात्रा

श्री परशुराम समिति एवं ब्राह्मण समाज के तत्वावधान में निकाली शोभायात्रा में ब्राह्मण समाज के तपेश भारद्वाज एवं अन्य गणमान्य लोग।

यूनिक समय, मथुरा। श्री परशुराम समिति एवं ब्राह्मण समाज के तत्वाधान में भगवान परशुराम की भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों विप्रों ने हिस्सा लिया। शोभा यात्रा में भगवान गणेश, हनुमान तथा मां काली की आकर्षक झांकियां रहीं, जिन्होंने श्रद्धालुओं का ध्यान अपनी ओर खींचा। युवा विप्रों ने नृत्य प्रस्तुत कर भक्तिमय वातावरण बना दिया, जबकि रास्ते भर भक्तगण पुष्प वर्षा कर देवी–देवताओं का स्वागत कर रहे थे। भक्तिमय जयकारों और मंत्रोच्चारण से पूरा मार्ग गुंजायमान था, जिससे आस्था की गहराई साफ झलक रही थी। यह शोभा यात्रा न केवल धार्मिक आस्था की अभिव्यक्ति थी, बल्कि हिन्दू संस्कारों में ब्राह्मण समुदाय की एकता और समर्पण का प्रतीक भी रही। प्रभातकालीन से मध्यरात्रि तक चली इस शोभा यात्रा ने मथुरा नगर को भक्तिमय रौनक और ऊर्जा से भर दिया।

यमुना में युवक डूबा

यूनिक समय, वृंदावन। यमुना में एक युवक के डूबने की खबर है। गोताखोरों ने निकालने का प्रयास किया है।

कॉरिडोर के विरोध में क्रमिक अनशन शुरू

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर एवं न्यास के विरोध में मंदिर के चबूतरा पर क्रमिक अनशन शुरू हो गया है।

परशुराम चौक को भव्य बनाएगी पालिका

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर की सब्जी मंडी स्थित भगवान श्री परशुराम चौक का नगर पालिका सौंदर्यीकरण कराएगी। इसको लेकर कल सोमवार को विधिवत कार्यक्रम के तहत सौंदर्यीकरण के कार्य का शिलान्यास किया जाएगा।

नगर पालिका महापुरूषों के नाम से स्थापित चौकों एवं स्थलों के सौंदर्यीकरण को लेकर तेजी से काम कर रही है। इसी दिशा में अब पालिका भगवान परशुराम चौक को भव्य बनाने के लिए निर्माण कार्य का शिलान्यास करेगी। कथावाचक एवं गौभक्त संजीव कृष्ण ठाकुर, भाजपा जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय व चैयरमैन धर्मवीर अग्रवाल सहित तमाम लोग कार्यक्रम भाग लेंगे।

मुड़िया मेले को संवारने के लिए जुटा एमवीडीए

कान्हा के रंग में रंगेगा परिक्रमा मार्ग

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज क्षेत्र में आगामी जुलाई में आयोजित होने जा रहे मुड़िया पूर्णिमा मेले को लेकर मथुरा–वृन्दावन विकास प्राधिकरण (एमवीडीए) ने तैयारियों में तीव्रता ला दी है। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह के निर्देशानुसार, गोवर्धन की 21 किलोमीटर लंबी परिक्रमा मार्ग को सजाने का कार्य कार्यकर्ताओं द्वारा तेज गति से जारी है। परिक्रमा मार्ग पर 'कान्हा' थीम आधारित मनोहारी पेंटिंग और सांझी पेंटिंग की जा रही है, जो श्रद्धालुओं के लिए एक दिव्य अनुभव प्रदान करेंगी। छोटे व बड़े परिक्रमा मार्गों पर की जा रही यह कलाकृति भक्तों को गिरिराज की भक्ति में डूबने के लिए प्रेरित करेगी। साथ ही, परिषद् का स्थल पर रखे ग्रिलों के क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत की जा रही है, जहां टूटी ग्रिलों को बेल्डिंग और पेंटिंग के माध्यम से सुन्दर रूप दिया गया है। एमवीडीए के सचिव अरविंद कुमार द्विवेदी ने बताया कि केवल पेंटिंग ही नहीं, बल्कि मेले में आने वाले एक करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी कई अतिरिक्त योजनाएं अमल में लाई जा रही हैं। इनमें नियमित सफाई, परिवहन व्यवस्था, सुरक्षा के अतिरिक्त उपाय और स्वास्थ्य सुविधाओं का समुचित बंदोबस्त सुनिश्चित करना शामिल है। आस्था और भक्ति का समन्वय पेश करने वाले इस मेले में विभिन्न राज्यों से आए तीर्थयात्री शामिल होंगे, जो 'गोवर्धन परिक्रमा' के अद्वितीय अनुभव का हिस्सा बनेंगे। व्यवस्थाओं में तेजी से सुधार वृन्दावन-मथुरा के आध्यात्मिक वातावरण को और भी सुदृढ़ बनाने का लक्ष्य रखता है।

चंद रुपयों के खातिर सफाई कर्मी डाल रहे हैं जान जोखिम में

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। टैंको की सफाई कराने के दौरान सफाई कर्मियों के परिवारों के साथ आए दिन होने वाले हादसों को लेकर न तो ठेकेदार और न ही सफाई करने वाले मजूदर जागरुक हैं। यही वजह है कि आए दिन टैंको की सफाई के दौरान दिल दहलाने वाली घटनाएं हो रही हैं।

अब तक इन घटनाओं में एक दर्जन लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। सीवर टैंकों की सफाई करने के दौरान उसमें बनी जहरीली गैस के चलते कल वृंदावन के बुर्जा चौराहे पर ठेके पर सीवर का सफाई कार्य चल रहा था। सीवर सफाई के लिए छोटे लाल और नरेंद्र काम कर रहे थे। सीवर के चैंबर में जैसे ही एक सफाई कर्मी उतरा चैंबर में मौजूद गैस से उसका दम घुटने लगा। उसके साथी ने जब उसे इस हाल में देखा तो उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन वह भी गैस का शिकार हो गया। इस तरह थोड़े से पैसों की मजदूरी

सुरक्षा मानकों का नहीं हो रहा है उपयोग

जिले में एक दर्जन लोग गंवा चुके हैं अपनी जान

कुछ रुपये देकर पीड़ित परिवार को करा दिया जाता है चुप

के लिए दोनों सफाईकर्मियों की जान चली गई। इस तरह की ये कोई पहली घटना नहीं है। वृंदावन में टैंक सफाई के दौरान दो युवकों की टैंक में बनी जहरीली गैस के चलते मौत हो चुकी है। यही नहीं पद में इस तरह की हुई दुर्घटनाओं में कई सफाई मजदूर अपनी जान गंवा चुके हैं। टैंक एवं सीवर चेंबरों की सफाई करने वाले मजदूरों के लिए किट पहनकर सफाई के लिए उतरना अनिवार्य बताया गया है। इसके लिए ठेकेदार को इस तरह की व्यवस्था करनी चाहिए, लेकिन न तो ठेकेदार इन नियमों का पालन कर रहे हैं और न ही सफाई मजदूरों को अपनी कीमती जान की परवाह है। चंद पैसों की खातिर सफाई मजदूर बिना सुरक्षा साधनों के इन जोखिम भरे कामों को कर रहे हैं।

उन्हें इस बात का अहसास नहीं कि अगर उनकी मौत हो जाएगी तो परिवार पर इसका कितना गहरा असर पड़ेगा। बच्चे और पत्नी इस संसार में अपना जीवन यापन किस तरह करेंगे। इस तरह अपनी जान खोने वाले गरीब मजदूरों की मौत के बाद ठेकेदार अथवा जिसके यहां काम करता है उसके परिवार को कुछ रुपये देकर चुप कर देता है। इस तरह के मामलों में ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए तो इस तरह गरीबों की जान जाने से बच सकती है और उनके परिवार उजड़ने से बच सकते हैं।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय :– यूनिक बिल्डिंग, 289–290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक–पवन गौतम। फोन नंबर–0565–2420150, मो। 9837155888 E-mail : uniquesamaynews@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053